कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन । मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

# व्यापार दर्शन

Bi-Monthly in-House Magazine

वर्ष १४ अंक ३ । वि. सं. २०७० । अगस्त २०१३

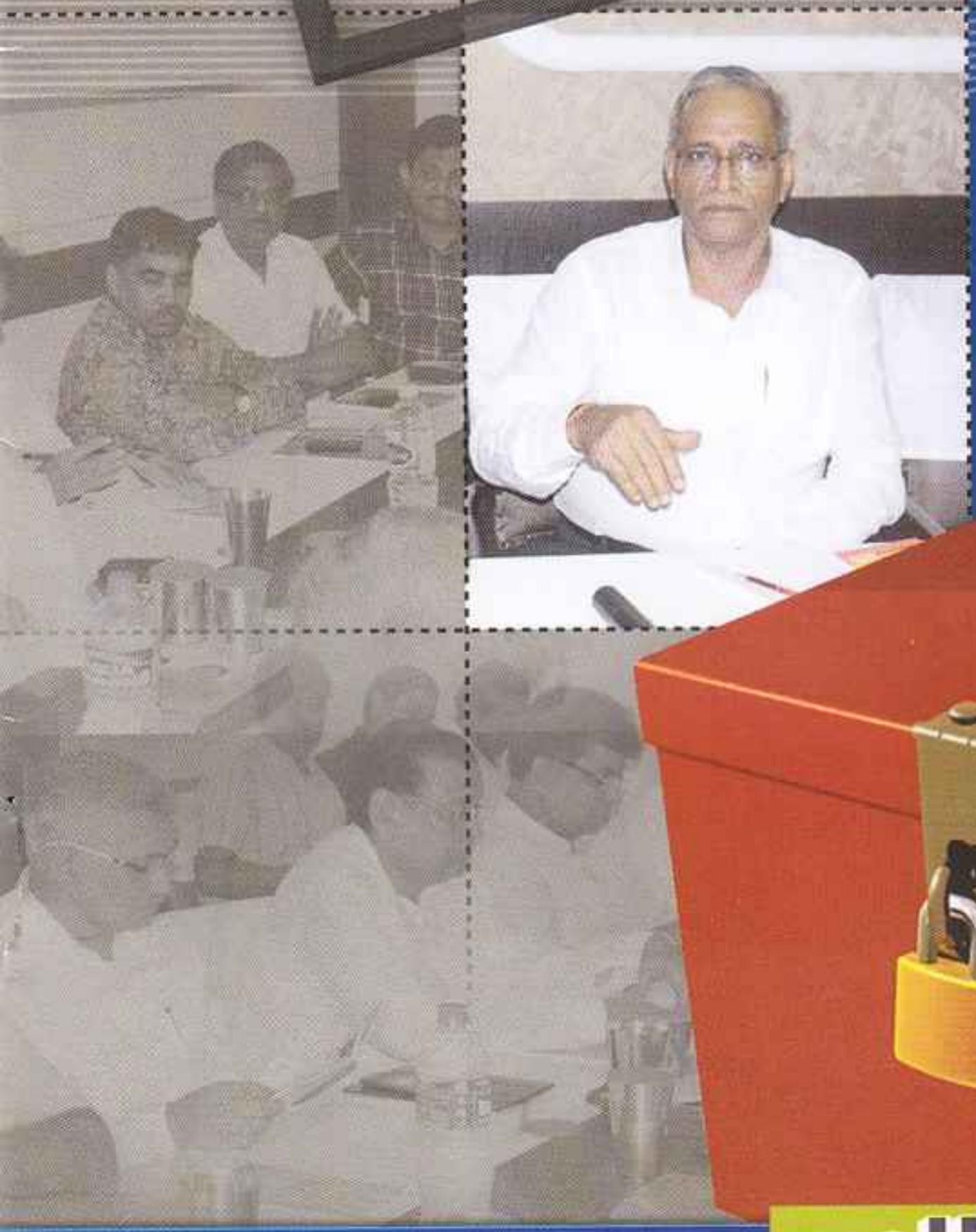




ESTD. 1961

CHAMBER OF TEXTILE TRADE & INDUSTRY

## News Bulletin Committee

*Editor :*
**Sri Ashok Kumar Shah**

*Editorial Board :*
(Committee Member)

**Sri Madan Mohan Tekriwal**
**Sri Bajrang Lal Kheria**
**Sri Rajesh Goyal**
**Sri Vinay Parasrampuria**
**Sri Dilip Arora**

*Ex-Officio :*
**Sri Vijay Kumar Binaykia**
President

**Sri Mahendra Jain**
Hony. Secretary

**Chamber of Textile Trade & Industry**

160, Jamunalal Bajaj Street
1st Floor, Kolkata - 700 007
Phone : 2268-2686, 2269-9811
Fax : 033 2273-4034
E-mail : cottiindia@gmail.com
Website : www.cotti.in

# अपनी बात...

वर्ष 2013 से 2015 के लिये कोट्टी की नई कार्यकारिणी का चुनाव हाल ही में सम्पन्न हुआ, जिसमें सदस्यों ने फिर श्री विजय कुमारजी बिनायकिया एवं उनकी टीम में अपना विश्वास जताकर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित किया।

श्री बिनायकियाजी एक मृदुभाषी, दूरदर्शी एवं कोट्टी के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि इनके नेतृत्व में कोट्टी एक बार पुनः नये आयाम स्थापित करेगा।

जैसा कि पिछले अंक में हमने आशा की थी, West Bengal सरकार की नयी उद्योग नीति अब घोषित हो चुकी है। इस नीति के दूरगामी परिणाम जरूर हासिल होंगे। अब समय आ गया है कि Textile Trade में शामिल व्यापारी वर्ग इन नीतियों का लाभ उठाकर पश्चिम बंगाल को Textile Production के मानचित्र पर उचित स्थान दिलवायें। हमें आशा है कि जिस प्रकार से सरकार के उच्चमंत्री एवं अधिकारी Industry के लिये प्रयासरत हैं, स्थानीय राजनेता एवं राजनीतिक कार्यकर्ता भी उद्योगपतियों से सहयोग करेंगे एवं ऐसा वातावरण तैयार करेंगे, जिस से बंगाल में औद्योगिक क्रान्ति आ सके।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है एवं उन्नति पथ पर चलायमान रहने का आधार है। परिवर्तन न हो तो एक समय के बाद सब कुछ नीरस एवं बेरंग लगने लगता है। आपकी पत्रिका "व्यापार दर्शन" को और भी रूचिकर, सामयिक एवं आकर्षक बनाने का कार्यभार अब युवा एवं उत्साही कार्यकारिणी सदस्य श्री बिजय सिंह जैन को सौंपा गया है। हमें विश्वास है कि कोट्टी की इस पत्रिका को अब हम एक नये आकर्षक रुप में देखेंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ..................

आपका
अशोक शाह

सभी Members एवं Affiliated Associations से निवेदन है कि व्यापार-दर्शन में प्रकाशन योग्य सामग्री Chamber of Textile Trade & Industry कार्यालय में अवश्य भेजें।

हाल ही में २०१३ से २०१५ के लिये कोट्टी के चुनाव सम्पन्न हुए, जिसमें श्री विजय कुमार बिनायकिया निर्विरोध पुन: अध्यक्ष निर्वाचित हुए। प्रस्तुत है Annual General Meeting में दिया उनका स्वागत भाषण उनके ही शब्दों में -

## President Speech - AGM 2013

आदरणीय श्री छत्तर सिंहजी बैद, श्री बालकृष्णजी खण्डेलवाल, श्री मुरारी लालजी खेतान, कोट्टी के पदाधिकारीगण, Arbitrators, संलग्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं माननीय सदस्यगण ! मैं आप सभी का कोट्टी सभागार में चेम्बर की ५०वीं वार्षिक साधारण सभा में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मैं आपके एवं आपके परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य एवं सुख-शान्ति की शुभकामना करता हूँ।

सर्वप्रथम मैं Election Commission के सदस्य श्री बालकृष्णजी खण्डेलवाल, श्री मुरारीलालजी खेतान एवं श्री बृजमोहनजी मोहता को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने चुनाव की प्रक्रिया को नियमानुसार सुसम्पन्न किया। आप तीनों ने अथक प्रयास के साथ अपना बहुमूल्य समय दिया अत: आप सभी साधुवाद के पात्र हैं। मैं कोट्टी के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने मुझे एवं मेरी Office Bearer की टीम को निर्विरोध निर्वाचित किया, इसके लिए मैं सभी सदस्यों का आभारी हूँ।

Netaji Indoor Stadium में १७ अप्रैल २०१२ को Texvision के 4th Edition का भव्य उद्घाटन किया गया। Textile Minister माननीय **Dr. Manas Bhunia** ने इस फेयर का उद्घाटन किया। Industry Minister माननीय **Shri Partho Chatterjee** एवं Transport and Sports Minister माननीय **Shri Madan Mitra** Guest of Honour थे। वस्त्र व्यवसाय के उत्थान के लिये इस प्रकार के Fairs करना एवं उन्हें Success करना अति आवश्यक है। इस Fair को Success करने में Joint Convener श्री संतोष कुमारजी खेरिया तथा श्री बालकृष्णजी धेलिया ने अथक परिश्रम किया, वे साधुवाद के पात्र हैं।

कोट्टी का एक ३० सदस्यों का विशाल Delegation श्री गौतमजी झुनझुनवाला की अगुआई में मुम्बई के सबसे बड़े एवं आकर्षक Textile Fair "INFASHION 2013", जो कि २० से २३ मार्च २०१३ को FAITMA द्वारा आयोजित किया गया था, में Visit किया। वहां के सेमिनारों का सभी सदस्यों ने भरपूर आनन्द लिया एवं विशिष्ट ज्ञान अर्जित किया। वहां प्राय: सभी बड़ी मिलों ने अपने-अपने वस्त्रों को प्रदर्शित किया, जिसका भरपूर फायदा हमारे Delegates ने लिया। INFASHION के Organisers ने कोट्टी को High Light किया एवं Delegates की भरपूर प्रशंसा की।

दिनांक ३ जनवरी २०१३ को Inland Transport के जगन्नाथ घाट स्थित गोदाम में आग लग गई एवं करीब ७ करोड़ का कपड़ा जल करके राख हो गया। कोट्टी के प्रयासों से Inland Transport ने नुकसान का ३०% तक की शीघ्र भरपाई करने एवं Insurance Claim Settle होने पर बाकी ५०% तक यानि Total 80% नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया।

Amar Kirti®
100% Cotton Printed Saree
Agent : KAMAL CHOUDHARY M : 93390 99280
~: Manufactured by :~
Shri Bilasrai Puranmal, 614, Kakad Market
306, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002
Phone : 2201-8357, 3243-8276, Fax : 2209 6282
STOCKIST JEWRAJ JAMUNADAS MULCHAND BANSHILAL

कोट्टी का निरन्तर प्रयास रहा है कि सभी वस्त्र व्यवसायी Transit Insurance, दुकान एवं गोदाम का Fire एवं Natural Calamity का Insurance जरूर करवा लें। इसी प्रयास में Insurance की पूर्ण जानकारी हेतु कोट्टी सभागार में दिनांक २५ मई २०१३ को एक अत्यन्त ज्ञानप्रद भव्य सेमिनार का आयोजन किया गया।

कोट्टी का एक Delegation Grand Hotel में दिनांक ९ अप्रैल २०१३ को गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिला एवं अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। भविष्य में कोट्टी के सभी सदस्यों को इसका लाभ जरूर मिलेगा।

१६ जून २०१३ के दिन देवभूमि उत्तराखंड के केदारनाथ मन्दिर के आस-पास के इलाके में प्रलय जैसी भयंकर प्राकृतिक आपदा आई एवं ७-८ दिनों में ही हजारों लोगों की जान चली गई एवं लाखों लोग बेघर हो गये। कोट्टी ने Executive Committee की Emergency Meeting करके नक्की किया कि वहां के किसी गांव में कुछ घर एवं एक स्कूल का निर्माण का कार्य कोट्टी की पूरी देख-रेख में ही किया जाना चाहिये। इसके लिए ५१ लाख रूपया का Fund एकत्रित करने का Target रखा गया। इसमें अभी तक लगभग ३६ लाख रूपया आ गया है कुछ Commitments है, आशा है ५१ लाख का Target पूरा कर लिया जायेगा। इस प्रयास में श्री अरूणजी भुवालका, श्री हरीश अग्रवाल, श्री देवकी नन्दन तोदी, श्री गौतम झुनझुनवाला, श्री अनिल मिहारिया, श्री सुन्दरलाल लाखोटिया, श्री मुकेश पारिख का विशेष सहयोग रहा, सभी साधुवाद के पात्र हैं। उत्तराखंड सरकार के साथ निर्माण कार्य को संपादित करने बाबत पत्राचार जारी है।

कोट्टी के लगातार प्रयास के फलस्वरुप इस वर्ष West Bengal सरकार ने Attractive Textile Policy दी है। इसमें सरकार ने कोट्टी के कई सुझाव मान लिये हैं। इस कार्य में श्री संजयजी तोदी ने काफी श्रम किया वे इस कार्य के लिए साधुवाद के पात्र हैं। मैं सभी सदस्यों को आग्रह करता हूँ कि अब आपलोग पश्चिम बंगाल में Textile Manufacturing एवं Garment Manufacturing की Units लगायें। कोट्टी आपलोगों को सरकार से सहयोग दिलाने में मदद करेगी।

मैं इस सत्र २०१३-१५ के लिये कुछ Target रखता हूँ, आशा करता हूँ आप सभी के सहयोग से इन्हें पूरा किया जायेगा।

०१. अभी तक साड़ी, होजियारी, रेडीमेड वस्त्र, कपड़ा एवं यार्न के कई व्यापारी कोट्टी के सदस्य नहीं है इस सत्र में १५१ नये सदस्यों को जोड़ने का कार्य करना है।

०२. कोट्टी का Conference Room भव्य एवं बड़ाबाजार के Centre में है इसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने का प्रयास होना चाहिये। श्री बालकृष्णजी धेलिया एवं मैंने यहां Sales Conference का आयोजन किया जो कि अत्यन्त लाभदायक रहा। Reliance Industries के Textile Division की पूजा Booking का कार्य भी ४-५ वर्षों से इसी सभागार में किया जाता है। मैं अन्य मिलों, एजेन्ट्स एवं व्यापारियों को सलाह देता हूँ कि आपलोग भी Conference Hall का ज्यादा से ज्यादा लाभ लें।

ANANTA TEXTILES
38, ARMENIAN STREET, 1ST FLOOR, KOLKATA-700 001
PHONE : 033-2273-7387, FAX : 033-2271-0633
HOUSE OF FANCY DRESS MATERIALS
AND HANDLOOM FABRICS

०३. कोट्टी के Affiliated Associations पर पूरा ध्यान देना है एवं उनके पदाधिकारियों से साल में कम से कम दो Meeting करने की चेष्टा करनी है एवं वहाँ के व्यापारियों की समस्याओं का उचित समाधान करना है।

०४. Texvision 2014 का आयोजन करने की चेष्टा करनी है एवं इसे और असरदार बनाने की भी Planning करनी है। मैं इस संबंध में सभी सदस्यों से अपने सुझाव यथाशीघ्र देने के लिये आग्रह करता हूँ।

०५. इस सत्र में देश एवं विदेश में लगे Trade Fair को Visit करने का Programme बनाया जायेगा। आपलोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर लाभ उठायें।

०६. सरकार से Textile क्षेत्र में अधिक से अधिक सुविधा लेने के लिये एवं Textile सम्बन्धित उद्योगों को लगाने के लिये कोट्टी द्धारा प्रोत्साहित किया जायेगा।

०७. उत्तराखंड में केदारनाथ के आस-पास के उजड़े हुये गाँव में वहाँ की सरकार की स्वीकृति लेकर कुछ कार्य यथाशीघ्र शुरू किया जायेगा। इसकी देखरेख के लिये एक सशक्त Adhoc Committee बनाई गई है, इसके Joint Chairman श्री हरीशजी अग्रवाल एवं श्री देवकी नन्दनजी तोदी हैं। इस कार्य के लिये ५१ लाख रूपया खर्च किया जायेगा। अभी तक ३६ लाख रूपया संग्रह कर लिया गया है करीब १५ लाख रूपया भी शीघ्र ही संग्रह कर लिया जायेगा। ५१ लाख रूपये के Fund में करीब २१ लाख रूपया Executive Committee के सदस्यों ने दिया है। इस पुण्य कार्य के लिये मैं सभी सदस्यों को आमंत्रित करता हूँ एवं अपील करता हूँ इसमें तन, मन, धन से सहयोग करें।

मुझे मेरे कार्यों को सम्पादित करने में कोट्टी के मंत्री श्री महेन्द्रजी जैन का पूरा सहयोग मिला। कोट्टी के Past Presidents जो इस संस्था की जान है, उनसे समय-समय पर मार्गदर्शन एवं सहयोग मिला। मुझे सभी Office Bearers का पूर्ण सहयोग मिला। इसके अलावा कोट्टी के सारे पदाधिकारीगण, स्टैण्डिग कमेटी के चेयरमैन, को-चेयरमैन, कार्यकारिणी सदस्यों एवं कोट्टी के Office Staff का सहयोग समय-समय पर मिलता रहा है, इसके लिए मैं आप सभी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ एवं आनेवाले वर्ष में आपसे और ज्यादा प्रेम एवं सहयोग की कामना करता हूँ। उपस्थित सभी भूतपूर्व सभापतिगणों को नमन करता हूँ एवं उनके आर्शीवाद एवं मार्गदर्शन की सब समय आकांक्षा रखता हूँ।

मैं कोट्टी के सभी सदस्यों से नम्र निवेदन करता हूँ कि आप सभी चेम्बर की गतिविधियों से अपने आपको जोड़ें एवं कोट्टी के सभी कार्यक्रमों विशेषकर दीपावली तथा होली Celebration में अपनी उपस्थिति जरूर दर्ज करवायें। इससे व्यापारी एकता बढ़ेगी एवं मुझे एवं मेरी टीम को और अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

धन्यवाद,

B.P. TRADING PVT. LTD.
KHERIA TRADERS PVT. LTD.
Mobile : 09339555501
09339885501
5, Chaitan Seth Street, Kolkata-700 007 (Opp. Kalakar Street Power House)
Phone : 33-2268-9822 / 5501, 3297-5775
Wholesale Dealer in : All Type of Dress Materials & Nighty Cloths

## कार्यकारिणी सभा

❖ दिनांक **29 मई 2013** को कार्यकारिणी समिति की बैठक सभापति श्री विजय कुमार बिनायकिया की अध्यक्षता में चेम्बर सभागार में सम्पन्न हुई। 03 नये सदस्यता आवेदन पत्र सहर्ष एवं 05 सदस्यता त्यागपत्र सखेद स्वीकृत किये गये। कोषाध्यक्ष ने कोट्टी एवं कोट्टी ट्रस्ट की Unaudited Balance Sheet एवं Income and Expenditure Account प्रस्तुत किया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त Hong Kong Fashion Week एवं Inland Transport matter सदन में विचार-विमर्श किया गया। आये हुए पत्रों पर विचार-विमर्श किया गया।

❖ दिनांक **24 जून 2013** को कार्यकारिणी समिति की एक विशेष बैठक सभापति श्री विजय कुमार बिनायकिया की अध्यक्षता में चेम्बर सभागार में सम्पन्न हुई। उत्तराखण्ड में आई भयंकर त्रासदी के बारे में चर्चा इस मीटिंग में की गई थी। विचारोपरान्त प्रभावित लोगों को राहत देने हेतु निर्णय लिया गया एवं इस कार्य को सम्पन्न करने हेतु 9 सदस्यों की एक कमिटी गठित की गई।

❖ दिनांक **17 जुलाई 2013** को कार्यकारिणी समिति की बैठक सभापति श्री विजय कुमारजी बिनायकिया की अध्यक्षता में चेम्बर सभागार में सम्पन्न हुई। 03 सदस्यता त्यागपत्र सखेद स्वीकृत किये गये। कोषाध्यक्ष ने कोट्टी एवं कोट्टी ट्रस्ट की Audited Balance Sheet एवं Income and Expenditure Account प्रस्तुत किया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। कोषाध्यक्ष ने वर्ष 2013-14 के लिए अनुमानित आय-व्यय प्रस्तुत किया जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। वार्षिक साधारण अधिवेशन आयोजन करने तथा वर्ष 2013-2015 के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित करने हेतु विचार-विमर्श किया गया। विचारोपरान्त सदन ने दिनांक 24 अगस्त 2013 शनिवार को दिन के 3.00 बजे वार्षिक साधारण अधिवेशन एवं दिनांक 19 अगस्त 2013 को चेम्बर के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव कराने की स्वीकृति प्रदान की। ❑

## स्टैण्डिंग कमिटी की बैठकें

❖ **Trade Co-ordination Commitee :**

दिनांक **21 जून 2013** को Trade Co-ordination Committee की मीटिंग M/s. Gomti Enterprise के Labour problem को लेकर एवं दिनांक **12 जुलाई 2013** को M/s. Bholanath Cotton Mills Ltd. एवं M/s. Joy Luxmi Textile Mills के मुटिया मजदूरी समस्या को लेकर आयोजित की गई थी। इन मीटिंगों में यूनियन के साथ बात-चीत कर दोनों समस्याओं का समाधान किया गया। ❑

*Specialist in Kurta & Sherwani Fabrics*

DILIP : +91 98300 82225
MURARI : +91 98300 86880

BHARTIYA TRADING COMPANY
158, JAMUNALAL BAJAJ STREET, KOLKATA-700 007
OFFICE : +91-33-2268 8111, 2272 1647
Brand : CARRION

# अतीत के झरोखे से ....

किसी भी गौरवशाली संस्था के लिए उसका अतीत इसलिए महत्वपूर्ण होता है कि हम इसके अतीत को वर्तमान के सन्दर्भ में रखकर उसका मूल्यांकन करें। जो पूर्व में हुआ और आज के सन्दर्भ में भी सही है, उसका पालन करें और त्रुटियों का परिमार्जन करें तभी संस्था अपने उद्देश्य के प्रति ईमानदार हो सकती है।

टेक्सटाइल मर्चेन्ट्स एसोसियेशन की आठवीं वार्षिक सभा में निवर्तमान सभापति श्री रामनारायणजी भोजनगरवाला ने वस्त्र व्यवसाय की उन्नति की ओर इंगित करते हुए अपने एसोसियेशन के सदस्यों की त्रुटियों की तरफ भी ध्यान दिलाया और आशा प्रकट की कि हमारा संगठन तभी चरम विकास की तरफ बढ़ेगा जब हम 'स्व' की भूमिका को भूलकर सभी के सामूहिक हित में काम करेंगे। उन्होंने यह भी विस्तृत रुप से स्पष्ट किया कि हमारे व्यवसाय से मंदी के बादल तभी हट सकते हैं जब सरकार व्यवसाय को अनावश्यक बंधनों से मुक्त कर दे और हरेक अवस्था में हम Modernization पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देवें। वस्त्र व्यवसाय को बैंको से अधिकाधिक सुविधा मिले एवं इसके लिए राज्य वित्त निगम जैसी संस्था की स्थापना की कोशिश की जाय।

यद्यपि संस्था का प्रमुख उद्देश्य उस समय के बाजार में भुगतान की व्यवस्था का सुचारू रुप से संचालन के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना था और आपसी मतभेदों को सहयोग पूर्वक ढंग से निपटाने का कार्य था, लेकिन देश में किसी भी प्रकार के संकट की स्थिति आने पर संस्था के सदस्यगण अपना सामाजिक दायित्व निभाने में हमेशा आगे रहते थे। इस वर्ष में पश्चिम बंगाल में भीषण बाढ़ आयी और राजस्थान में अकाल पड़ा। संस्था ने आगे बढ़कर लगभग ५०,०००/- एकत्र करने का निश्चय किया था किन्तु बाढ़ में करीब ६०,०००/- एकत्र हुए और बंगाल के मिदनापुर जिले में बाढ़ की सहायता में ३०,०००/- खर्च करने का निर्णय किया गया। राजस्थान में सरकार ने घोषणा की कि जो संस्था पशुओं को मरने से बचाने के लिए कार्य करेगी। उसका आधा खर्च राजस्थान सरकार वहन करेगी। उक्त योजना के अन्तर्गत हमलोगों ने पुन: ६०,०००/- एकत्र करने का संकल्प लिया और अंतत: ७३,७३२/- रुपये एकत्र हुए जिसे स्थानीय मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के माध्यम से बीकानेर के विक्रमपुर में एक पशुकेन्द्र खोल कर गायों की सुरक्षा हेतु कार्य किया गया।

## एसोसियेशन का अन्य संस्थाओं से सम्पर्क व सहयोग

भारत चेम्बर ऑफ कॉमर्स, मर्चेन्ट चेम्बर ऑफ कॉमर्स, टेक्सटाइल इम्पलीमेन्टेशन कमिटी, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, अखिल भारतीय वस्त्र व्यवसायी संघ मुम्बई आदि संस्थाओं से हमारा महत्वपूर्ण प्रश्नों पर निरन्तर सहयोग रहा।

JORA HATHI ®
BEST QUALITY
EMBROIDERY YARN
Manufactured By :
CHIRANJILAL RAYONS PVT. LTD.
178, Mahatma Gandhi Road, Kolkata-700 007 (W.B.)
Phone : 033-32936054, 9830232286, 9330926295

## जांच समिति

कार्य प्रणाली के सुसंचालन एवं संगठन शक्ति की स्थिरता के लिए एक चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। एसोसियेशन द्वारा स्थापित नियमों व उपनियमों का उलंघन होने पर इस समिति ने सम्बन्धित सदस्यों को बुलाकर जांच की और उनसे आश्वासन लिया कि वह भविष्य में नियमों के पालन की तरफ ध्यान देंगे और संगठित प्रणाली की दृढ़ता प्रदान करेंगे।

**परिपत्र :-** कुल ४३ सर्कुलर इस वर्ष भेजे गए।

**प्रीति-सम्मेलन :-** दीपावली प्रीति सम्मेलन में प्रसिद्ध उद्योगपति श्री राधाकृष्ण जी कनोड़िया को प्रमुख अतिथि के रुप में एसोसियेशन सभाकक्ष में बुलाकर हमलोगों ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि व्यवसायी वर्ग स्वभाव से ही उदार होता है और संगठन के माध्यम से कार्य तीव्र गति से पूरे किये जा सकते हैं।

## अपैलेट ट्रिब्यूनल व बोर्ड

इस वर्ष कुल १० बैठकें हुई तथा इनमें ४३ मामले आये, जिनमें ५ के विरुद्ध ट्रिब्युनल में अपील हुई। पंचायत समिति के १५४० मामले आये थे और अपैलेट बोर्ड की ५१ मीटिंग हुई। एसोसियेशन द्वारा वैधानिक एवं सहयोगपूर्ण के बाद भी ८६ व्यापारियों ने फैसले की मान्यता नहीं दी। अत: दु:खपूर्वक उनके साथ व्यापार सम्बन्ध स्थगित रखने का फैसला लिया गया। इनमें २४ व्यापारियों द्वारा पावना चुका देने पर पुन: व्यापार सम्बन्ध पूर्ववत् चालू कर दिया गया।

## वर्ष १९६८ के पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सदस्य

| | | | |
|---|---|---|---|
| ०१. | श्री कन्हैयालाल केजड़ीवाल | - | सभापति |
| ०२. | श्री सुखदेव दास हरलालका | - | वरिष्ठ उप-सभापति |
| ०३. | श्री जेठमल करनानी | - | उप-सभापति |
| ०४. | श्री भैरवदान तापड़िया | - | मंत्री |
| ०५. | श्री मोतीलाल मालू | - | संयुक्त मंत्री |
| ०६. | श्री नथमल बजाज | - | कोषाध्यक्ष |
| ०७. | श्री रामनारायण भोजनगरवाला | - | कार्यकारिणी सदस्य |
| ०८. | श्री पुरूषोतम दास केजड़ीवाल | | ,, |
| ०९. | श्री सीताराम केड़िया | | ,, |
| १०. | श्री प्रेमरतन बिस्सा | | ,, |
| ११. | श्री छोटूलाल चाण्डक | | ,, |
| १२. | श्री मालचन्द शारडा | | ,, |
| १३. | श्री लक्ष्मी प्रसाद बजाज | | ,, |

Garima
Garima Boutique Pvt. Ltd.
113, Park Street, Poddar Point, 2nd Block, 3rd Floor, Kolkata-700016
Phone : 91-33-3291 5834, 98301 23102, 91633 22942
E-mail : garimaboutique@gmail.com
Grace Glamour Unlimited
Designer of Salwar Suit, Kurti & Embroidery Sarees and Ghagra Chunni

| | | | |
|---|---|---|---|
| १४. | श्री छत्तर सिंह बैद | - | कार्यकारिणी सदस्य |
| १५. | श्री देवकिशन मोहता | | ,, |
| १६. | श्री श्रीकृष्ण झंवर | | ,, |
| १७. | श्री बजरंगलाल सोमानी | | ,, |
| १८. | श्री घनश्यामदास भोजनगरवाला | | ,, |
| १९. | श्री रिखब दास भंसाली | | ,, |
| २०. | श्री सत्यनारायण पोद्दार | | ,, |
| २१. | श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाला | | ,, |
| २२. | श्री प्रेमराज मूंधड़ा | | ,, |
| २३. | श्री नारायण दास मूंधड़ा | | ,, |
| २४. | श्री रणछोड़दास व्यास | | ,, |
| २५. | श्री दुलीचन्द चोपड़ा | | ,, |
| २६. | श्री भतमल राठी | | ,, |
| २७. | श्री हनुमान प्रसाद तोदी | | ,, |
| २८. | श्री लालचन्द डागा | | ,, |
| २९. | श्री जोधराज अग्रवाला | | ,, |
| ३०. | श्री केदार दास बिन्नानी | | ,, |
| ३१. | श्री मोहनलाल बेगानी | | ,, |
| ३२. | श्री जीवनलाल भैया | | ,, |
| ३३. | श्री किशोरी लाल ढंढनिया | | ,, |
| ३४. | श्री जीवनमल तापड़िया | | ,, |
| ३५. | श्री सुन्दर लाल राठी | | ,, |

**उपसंहार :-** स्मृति हमें दु:खी करती है या बुद्धिमान बनाती है। हम कहां है और यहाँ तक कैसे पहुँचे यह सब स्मृति पर निर्भर है। यदि हम ज्ञानी या अज्ञानी हैं तो यह सब अपनी स्मृति के कारण है। स्मृति से अपने अतीत का लेखा देखने से हममें एक जोश की उत्पत्ति होती है, प्रेरणा मिलती है। अतीत के अवलोकन से हमें निर्णय की क्षमता मिलती है। जब कोई उलंघन हो और कोई उदाहरण मिल जाता है, तो हम स्पष्ट निर्णय कर पाते हैं, समझ पाते हैं, समझा पाते हैं। लेकिन हमें अतीत को पकड़कर नहीं बैठना चाहिये। जैसे सिनेमा देखने गये, टिकट खरीदा, लेकिन उसका आधा भाग देना पड़ा। यदि हम आधा टिकट नहीं देंगे तो अन्दर नहीं जा पाएँगे। इसलिए अतीत को पकड़कर नहीं रखा जाता। उससे प्रेरणा लेकर हमें सही रास्ता मिल सकता है। ❑❑

VIMAL A RELIANCE PRODUCT
MAYUR suitings OXYRICH TeriRich
Bombay Rayon Essence of Fashion
MBA Lifestyle suitings
Reid & Taylor BOND WITH THE BEST

GAUTAM SYNTEX (P) LTD.
BAIJU CHOWK
KOLKATA

INDIAN TEXTILES
38, ARMENIAN STREET
KOLKATA

GAUTAM DISTRIBUTORS
9, ARMENIAN STREET
KOLKATA

# कॉटन यार्न निर्यात रिकॉर्ड पर

रूपये के मुकाबले डॉलर की मजबूती से यार्न निर्यातकों के मार्जिन में बढ़ोतरी हुई है, इसीलिए जून महीने में 142.29 करोड़ किलो यार्न का रिकॉर्ड निर्यात हुआ है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2013-14 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में 348.4 करोड़ किलो यार्न का निर्यात हो चुका है। चालू फसल सीजन में करीब 107 लाख गांठ (एक गांठ-170 किलो) कपास के निर्यात सौदों का भी रजिस्ट्रेशन हो चुका है, इसलिए कपास की कीमतों में तेजी की ही संभावना है।

कपड़ा मंत्रालय के सूत्रों क अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यार्न का निर्यात बढ़कर 348.4 करोड़ किलो का हो चुका है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 219.67 करोड़ किलों का हुआ था। इसके अलावा चालू कपास सीजन में अभी तक करीब 107 लाख गांठ कपास के निर्यात सौदों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जिसमें से करीब 97 लाख गांठ शिपमेंट भी हो चुकी है, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 17 जुलाई को अक्टूबर महीने के वायदा अनुबंध में कॉटन का भाव 84.07 सेंट प्रति पाउंड पर बंद हुआ। मुक्तसर कॉटन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर ने बताया है घरेलू बाजार में कच्चे माल के दाम बढ़े हैं लेकिन रूपये के मुकाबले डॉलर की मजबूती से यार्न निर्यातकों का मार्जिन बढ़ा है। नॉर्थ इंडिया कॉटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि विश्व बाजार में भारतीय कपास अन्य देशों की तुलना में सस्ता है। हालांकि उत्पादक मंडियों में कपास कीमतों में करीब 500 रूपये प्रति कैंडी (एक कैंडी-356 किलो) की गिरावट आई है, लेकिन घरेलू बाजार में कपास का बकाया स्टॉक कम है, जबकि नई फसल आने में अभी ढाई महीने का समय शेष है। इसलिए कीमतों में मजबूती रहने की संभावना है। अहमदाबाद मंडी में शंकर-6 किस्म की कपास का भाव 42300 से 42500 रूपये प्रति कैंडी रहा, जबकि 18 जून को इसका भाव 38 हजार से 38300 रूपये प्रति कैंडी था।

कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया (सीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम घरेलू बाजार में अभी तक 12 लाख गांठ कपास की बिक्री कर चुकी है तथा निगम के पास केवल 11 लाख गांठ का स्टॉक ही बचा हुआ है। उन्होंने बताया कि चालू बुवाई पिछले साल से आगे चल रही है लेकिन कुल बुवाई में 4-5 फीसदी कमी आने की आशंका है। हालांकि अनुकूल मौसम से उत्पादकता बढ़ेगी, इएलिए पैदावार पिछले साल से ज्यादा ही होने का अनुमान है। कृषि मंत्रालय के अनुसार चालू खरीफ में 92.44 लाख हेक्टेयर में कपास की बुवाई हो चुकी है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 65.22 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई थी। ●

- *The heart suffers a lot not because of VIOLENCE of bad people but because of Silence of dear ones.*

- *A sweet relationship is a pillow. When tired you sleep on it. When sad you drop tears on it. When angry you punch it. And when happy you hug it.*

GEE PEE

5 eventful years | millions of satisfied customers | 100 after sales centres

•Textiles • Mobile Phones • Retail Chains • Education • E-Commerce •International Trading
• Entertainment & launching very soon - Fragrance • Electric Bicycle • Hosiery
• Packaged Water Plant • Confectionery • Non-Conventional Energy

Corporate Office : GEE PEE House, 34/1Q, Ballygunge Circular Road, Kolkata -700019 www.geepee.co.in

# सदस्यगण अपने विवाद पंच प्रणाली में दायर करने में हिचकिचाते क्यों है ?

एसोसियेशन का जब किसी को परिचय दिया जाता है तो हम उसे अवगत कराते हैं कि व्यापार और व्यापारियों की सेवा-सहयोग और उन्नति के लिये निर्वाध रूप से कोट्‌टी सदस्यों के सहयोग और मार्गदर्शन के लिये सदैव तत्पर है, जरूरत है तो आपके आगे बढने की, आपकी क्या व्यापारिक समस्या है, क्या अडचन है, आप अवगत तो कराएं ? हमने अनेकों बार यह अनुभव किया है, सदस्यों को हजारों-हजारों रूपयो की रकम व्यापारियों की ओर लेनी बकाया है, परन्तु वे एसोसियेशान में संपर्क करने, मुकदमा करने में हिचकिचाते हैं, क्यों ?

आपके व्यापार में कई ऐसी पार्टियां हो सकती हैं, जिनकी ओर आपकी रकम फंसी हो और आप उसे कैसे वसूल करें, सोच रहे हैं ? परन्तु फिर भी आप मुकदमा करने में क्यों हिचकिचा रहें हैं ?

एसोसियेशन की द्विमासिक बुलेटिन व्यापार दर्शन समय-समय पर आपको अनेकों सूचनाओं के साथ-साथ कानूनी जानकारियाँ भी देती है, आपको क्या कार्यवाही करनी है, किस प्रकार कार्यवाही करनी है, हमने पूर्व में बुलेटिन में प्रकाशित किया था :

**1. सबसे पहले उस पार्टी को कानून के मुताबिक एक नोटिस भेजा जाता है, इस नोटिस में क्या-क्या लिखाना है, भाषा कैसी हो हमने नोटिस के प्रारूप में आपको बताया था ।**

**2. इस प्रारूप में चेक वापिसी धारा 138 के अंतर्गत भेजा जाने वाला नोटिस भी प्रकाशित किया था, आप याद रखें यह जरूरी नहीं कि यह कानूनी नोटिस केवल किसी अधिवक्ता/वकील द्वारा ही भेजा जाये, आप स्वयं भी अपनी फर्म के लेटरहेड पर लिखकर यह नोटिस भेज सकते हैं, स्पष्ट है कि विवाद दायर करने से पहले उस पार्टी को सूचना दें।**

इसके अतिरिक्त एसोसियेशन के विघान एवं नियमावली के अनुसार एसोसियेशन में एक नॉन-पेमेंट की दरखास्त जिसका मूल्य 50 रूपये हैं, इस दरखास्त फार्म पर भी आप साधारण प्रार्थना के साथ हिसाब की कॉपी संलग्न कर पार्टी से अपनी रकम की मांग कर सकते हैं । यह नॉन-पेमेंट की दरखास्त मुकदमा करने से पहले भेजे जाने वाले नोटिस का ही एक रूप है, आपकी दरखास्त पर समझौता अधिकारी महोदय सुनवाई करते हैं और जिसमें पार्टी को उपस्थित होने का पूरा अवसर दिया जाता है, पार्टी के उपस्थिात होने पर आपस में व्यापारिक तौर-तरीकों से दोनों पक्षों में समझौता करा दिया है, यदि समझौता संभव नहीं हो पाता तो समझौता अधिकारी उस विवाद को विधिवत पंच फैसले के लिये प्रषित करने का आदेश दे देते हैं और पंच के समक्षा वाद प्रस्तुत होने पर उसकी कानूनी रूप से सुनवाई की जाती है। उपरोक्त प्रक्रिया बड़ी साधारणा सी है, जिसे आप सहजता से कर सकते हैं और यदि फिर भी आपको किसी मार्गदर्शन की आवश्यकता है तो कार्यालय एसोसियेशन से संपर्क कर सकते हैं।

आपको जब भी किसी पार्टी के विरूद्ध अपनी रकम की वसूली के लिये दावा करना हो तो ध्यान रखें सबसे पहले उस पार्टी का पूरा हिसाब बनाये और उसे अपनी फर्म के लेटरहेड पर नोटिस भेजें और हिसाब की कॉपी उसके साथ संलग्न करें। एसोसियेशन की पंच प्रणाली/आरबीट्रेशन न्यायपालिका की सहायिका के रूप में बड़ी कारगर साबित हो रही है और दिन-प्रतिदिन इसका प्रचलन बढ़ रहा है, अदालतों में लंबी कार्यवाही से बचने के लिये ना केवल भारत सरकार अपितु सारे विश्व

**HARI OM CLOTH AGENCY**
**SHREE SATI TEXTILE AGENCY**
Textile Indenting and Commission Agent for :
Fancy & Exclusive Dress Materials : Chiffon, Crape, Georgette, Jequards, Cotton, Cambric, Embroideries, Brocade etc.
34C, Park Lane, 2nd Floor, Kolkata - 700 016, Phone : (O) 91-33-2229 6461 (M) 94330 93809
**BELL TEXTILES PVT. LTD.**
(ISO 9001:2008 Certified)
ANAND JHUNJHUNWALA
CHIFFON - CHINNON - GEORGETTE - SAREES - DUPATTAS
Email : belltextiles@batsons.co.in
Web : www.batsons.co.in

में इसको बढ़ावा दिया जा रहा है, कम समय में, कम शुल्क में, त्वरित न्याय, मिलना इसका प्रतीक कहा जाता है। सह अत्यन्त आवश्यक है कि पंच प्रणाली/आरबीट्रेशन का लाभ लेने के लिए आपकी फर्म के बिल, चालान एवं दैनिक प्रयोग में लाई जाने वाली स्टेशनरी लेटरहेड, एस्टीमेट स्लिप,जो भी आप प्रयोग करते हैं, उन सभी पर पंच प्रणाली अनुबंध धारा/आरबीट्रेशन एग्रीमेंट अवश्य छपा होना चाहिये, अनुबंध धारा का प्रारूप आप बुलेटिन से ले सकते हैं।

आप एसोसियेशन में विधिवत अपना विवाद दायर कर सकते है और इन सभी कार्यवाही के लिये यह जरूरी नहीं है कि किसी वकील की आवश्यकता हो। आप दावा करते समय निम्न बिन्दुओं पर विशेष ध्यान दें -

1. बिल पर पार्टी का नाम क्या लिखा है, जिस नाम से बिल बने हो उसका पूरा नाम, पता, सही-सही होना चाहिये।

2. जिस पार्टी के विरूद्ध दावा दायर करना है वह पार्टनरशिप है या प्रोपराईटरशिप और फर्म का पार्टनर कौन है, प्रोपराईटर कौन है ?

3. यह विशेष ध्यान रखें यदि फर्म प्रोपराईटरशिप है तो सबसे पहली पार्टी, प्रोपराईटर का नाम, प्रोपराईटर फर्म मैसर्स, पता, इसके पश्चात नम्बर 2 पार्टी फर्म को बनाये।

यदि फर्म पार्टनरशिप है तो सबसे पहली पार्टी फर्म को बनायें और नम्बर 2,3 और जितने भी पार्टनर हो, उनको पार्टी बनाये। साथ ही साथ यह ध्यान रखें कि यदि आपके पास फर्म प्रोपराईटर या पार्टनर का ई-मेल पता हो तो यह सोने पे सुहागा जैसी बात रहेगी।

एसोसियेशन सदैव आपके सहयोग और समाधान के लिये तत्पर है, आवश्यकता है तो केवल आपके आगे बढने की, ऐसा अमूमन पाया गया है कि व्यापारीगण एसोसिएशन में कार्यवाही करने से हिचकिचाते हैं, ना जाने क्यों ? ❑

## गुलाबी-क्यों होता है महिलाओं का पसंदीदा

गुलाब का फूल सबसे ज्यादा कोमलता को दर्शाता है, महिलाओं का हृदय भी कुछ इसी तरह कोमल होता है, वे अधिकतर संवेदनशीलता से परिपूर्ण होती हैं, न्यूकॉस्टल यूनिवर्सिटी ने रिसर्च की है कि महिलाएं गुलाबी रंग को ज्यादा पसंद करती है और वे पुरूषों की अपेक्षा ज्यादा संवेदनशील होती है तथा ज्यादा दृढ़-निश्चयी भी होती है। शोध में यह भी साबित हुआ है कि जिन महिलाओं को गुलाबी रंग पसंद नहीं होता, वे महिलाएं आत्म-विश्वास से कम परिपूर्ण होती है तथा गुलाबी रंग पसंद करने वाली महिलाओं की अपेक्षा ही उनमें महत्वपूर्ण डिसीजन लेने की क्षमता कम होती है। गुलाबी रंग खुशहाली का प्रतीक होता है, लाइट पिंक कलर जहां मौजमस्ती, खुशियों को दर्शाता है, वही गहरे रंग का गुलाबी रंग अधिक उर्जा को दर्शाता है। महिलाएं जब ज्यादा तनाव से खुद को भरी हुई महसूस करती है तो वे गुलाबी रंग के फूल देने से जल्द ही खुद को तनाव मुक्त कर लेती है, गुलाबी रंग महिलाओं में ज्यादा केयर, सम्मान की भावना को दर्शाता है। माता-पिता भी अपनी बच्ची के लिए गुलाबी रंग से उनका कमरा डेकोरेट करवाते हैं, उन्हें पता होता है ये रंग बच्ची के अंदर ज्यादा आत्म-विश्वास, केयर दृढ़-निश्चय की भावना को जागृत करता है।

**गुलाबी रंग के प्रभाव** : ऊर्जा प्रदान करता है, ब्लड-प्रेशर, श्वसन, हार्ट-बीट, पल्स रेट आदि को बढ़ाता है, आत्म-विश्वास व निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है, गुलाबी रंग सौंदर्य और कोमलता के साथ जोड़ा गया है, गुलाबी रंग चिड़चिड़ेपन को दूर करता है। ❑

Sparsh-Fab
SHIRTINGS
HI-FASHION FABRICS
1) School Dress Fabrics
2) Shirting & Suiting pcs
3) Fancy Shirtings
SPARSH FAB TEXTILES PVT. LTD.
161, Dadiseth Agiary Lane, Mumbai - 400 002
PHONE : (022) 2206 2150, 3243 4394
AGENTS :
HIND TEXTILE MARKETING
2, RAJA WOODMUNT STREET, KOLKATA - 700 001
TELE : (033) 2210-1683, 32931613
TELEFAX : 033-22432717
E-mail : gautamjhunjhunwala@gmail.com

# सिल्क आयात घटाने के लिए योजना तैयार

कपड़ा मंत्रालय ने 12वीं पंचवर्षीय योजना में रेशम उत्पादन बढ़ाने की कोशिशों के तहत केंद्रीय सिल्क बोर्ड (सीएसबी) के एरिया एक्सपेंशन प्लान (रकबा बढ़ाने) को अंतिम रूप दे दिया है। बोर्ड ने पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों तरह के इलाकों में अतिरिक्त 59 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को शहतूत सिल्क की फार्मिंग के दायरे में लाने की योजना बनाई है। बोर्ड के संयुक्त सचिव ने कहा, हमने 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक रेशम उत्पादन बढ़ाकर 32 हजार टन करने का लक्ष्य रखा और इसके लिए अतिरिक्त रकबे की जरूरत होगी, चार बर्षों की अवधि के दौरान हमने शहतूत सिल्क के तहत 59 हजार हेक्टेयर क्षेत्र बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है जो मौजूदा स्तर से 32 फीसदी की वृद्धि है, इस समय देश में 185000 हेक्टेयर क्षेत्र में रेशम तैयार किया जाता है।

उन्होंने कहा है कि रकबे में नए विस्तार से रेशम उत्पादन मौजूदा 23 हजार टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 32 हजार टन सालाना करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा कि हालांकि नया लक्ष्य 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष से ही हासिल हो पाएगा जो 2016-17 है। मंत्रालय ने 12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के तहत रेशम बोर्ड की विकास गतिविधियों के लिए 1269 करोड़ रूपये आवंटित किए हैं जो 11वीं पंचवर्षीय योजना अवधि में आवंटित 1050 करोड़ रूपये की तुलना में 21 फीसदी की वृद्धि है, बोर्ड ने देश के पूर्वी हिस्सों में गैर-पारंपरिक इलाकों के साथ-साथ तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में शहतूत सिल्क का रकबा बढ़ाने की योजना बनाई है।

12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान इस लक्ष्य को हासिल करने के प्रयास में बोर्ड मौजूदा योजना कैटालिटिक डेवलपमेंट प्रोग्राम (सीडीप) को समेकित करेगा और कोकून तथा रेशम की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करेगा, भारतीय रेशम की उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए संबद्ध हितधारकों को नवीनता, प्रौद्योगिकियों और विस्तार में मदद का पैकेज मुहैया कराया जाएगा, सिल्क बोर्ड रेशम किसानों के लिए निजी भागीदारी के जरिये उच्च गुणवत्ता के रेशम की कीटं बीज, बागान सामग्री और अन्य सामग्रियां मुहैया कराएगा। ❑

▸▸ *Learning is a treasure that will follow its owner everywhere. There are two ways of spreading lights: to be the candle or the mirror that reflects it.*

▸▸ *Heart is not basket for keeping tension and sadness. Heart is a bouquet for keeping smile, cheer and joy. Let your heart be always light and happy.*

JELBROW®
SHIRTING & DRESS MATERIALS
JALAN SYNTHETICS
ROHIT A.C. MARKET, SURAT
PH: (0261) 3016486, 3016435

PLAIN SHIRTINGS
RAYMON COTTON 36"
PICK N PICK 80 DOUBLE
40 SINGLE 65 DOUBLE
SUMMER COOL
SWISS COTTON
ROTO
RAYMON COTTON 44"

AGENTS :
HIND TEXTILE MARKETING
2, RAJA WOODMUNT STREET, KOLKATA - 700 001
TELE : (033) 2210-1683, 32931613
TELEFAX : 033-22432717
E-mail : gautamjhunjhunwala@gmail.com

# कपास की अच्छी बुआई से उम्मीद बढ़ी

गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश में अच्छी बारिश लाखों कपास किसानों के लिए वरदान बन कर आई है, वे पिछले साल की तुलना में इस बार अनुकूल मौसम की वजह से करीब 75 फीसदी रकबे में कपास की बुआई कर चुके हैं।

कई किसानों का मानना है कि अगले कुछ सप्ताहों में अगर मौसम अनुकूल रहा तो 2013-14 के सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में भारत के कुल कपास उत्पादन में इजाफा हो सकता है और यह 2011-12 के 3.5 करोड़ गांठ (एक गांठ-170 किलोग्राम) के करीब रह सकता है। गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश चार मुख्य प्रदेश हैं जिनका देश के कुल कपास उत्पाद में अस्सी फीसदी से अधिक का योगदान है।

कृषि विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा बारिश गुजरात और महाराष्ट्र में दर्ज की गई है, इन दों राज्यों में 4 जुलाई तक 270 फीसदी और 88 फीसदी अधिक क्षेत्र 28.1 लाख हेक्टेयर और 19.9 लाख हेक्टेयर पर बुआई हुई है। वर्ष 2012-13 में भारत का कपास उत्पादन लगभग चार फीसदी तक घटकर 3.38 करोड़ गांठ रहा, महाराष्ट्र और गुजरात में सूखे की वजह से इसमें गिरावट आई। 2013-14 में कपास उत्पादन में तेजी आने से प्रमुख बाजारों के लिए भारत का कपास और धागा निर्यात बढ़ सकता है, इन बाजारों में चीन के साथ-साथ बांग्लादेश, इंडोनेशिया और वियतनाम शामिल हैं।

2011-12 में देश ने लगभग 1.3 करोड़ गांठ का निर्यात किया था, कम उत्पादन की वजह से 2012-13 निर्यात घटकर महज लगभग 80-90 लाख गांठ रहा गया। जून के मध्य में दक्षिण पश्चिम मानसून में तेजी के बाद से अन्य फसलों की बुआई में भी लगातार तेजी देखी गई है। 5 जुलाई तक सभी खरीफ फसलों की बुआई लगभग 4.016 करोड़ हेक्टयर रही जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 86.77 फीसदी की वृद्धि है।

खरीफ सत्र के दौरान सबसे अधिक उपजाए जाने वाले धान की रोपाई लगभग 69.1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हो चुकी है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 21.84 फीसदी अधिक है। तिलहन और दलहन का रकबा लगभग 1.102 करोड़ हेक्टेयर और 18.3 लाख हेक्टेयर रहा है जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 16 फीसदी और 361 फीसदी अधिक है। देश के ज्यादातर हिस्सों में औसत से अधिक बारिश होने से 85 जलाशय भर गए हैं, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार जलाशयों में जल स्तर 4 जुलाई को 46.050 अरब घन मीटर दर्ज किया गया जो पिछले साल के स्तर का 184 फीसदी है। ❑

▶▶ *Admire those who enlighten your weak points and beware of those who only praise you.*

▶▶ *Success is not permanent and failure is not final. So never stop after success and never stop trying after failure.*

Ruiatex®
EXCLUSIVE SHIRTINGS
Specialist in Plain Shirtings
RUIA SILK & SYNTHETICS (P) LTD.
02, ANANTWADI, DADISETH AGIARY LANE, MUMBAI
PHONE : (022)2200 4439, (02522)325914, (022)32430181
AGENTS :
HIND TEXTILE MARKETING
2, RAJA WOODMUNT STREET, KOLKATA - 700 001
TELE : (033) 2210-1683, 32931613
TELEFAX : 033-22432717
E-mail : gautamjhunjhunwala@gmail.com

# आयकर जमा करने में बुनियादी बातों का रखें पूरा ध्यान

साल का यह समय ऐसा होता है जब आपको आयकर रिटर्न दाखिल करने की हड़बड़ी होती है, वित्त वर्ष 2012-13 से उन लोगों के लिए आयकर रिटर्न ऑनलाइन भरना अनिवार्य हो गया है, जिनकी सालाना आय 5 लाख रूपये से अधिक है। प्रक्रिया काफी सरल है, इसके लिए बस आपको संबंधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) का चयन करना है और ऑनलाइन फॉर्म भरना है। यह जरूर याद रखें कि कर की गणना करते समय वेतन के अलावा आपको अन्य आमदनी जैसे ब्याज आय, पूंजी लाभ या स्त्रोतों से प्राप्त आय की गणना भी करनी होगी। अगर आपको लगता है कि आपको इसलिए आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि आय का स्त्रोत महज वेतन है तो यह सोचना गलत है। टैक्स रिटर्न सामान्य तौर पर विभिन्न उद्देश्यों जैसे बैंक खाता खोलने, पासपोर्ट नवीनीकरण, ऋण के लिए आवेदन आदि में प्रमाण के तौर पर काम आता है। इसके अलावा अगर विदेश में आपकी परिसंपत्ति है तो भी आपको रिटर्न फाइल करना होगा।

हालांकि आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने पर महज 5 हजार रूपये जुर्माना देना पड़ेगा, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में आपको डिफॉल्टर माना जाएगा, आइए टैक्स रिटर्न से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर हम विचार करते हैं :-

**जरूरी कागजात :** कागजात आय के विभिन्न स्त्रोतों पर निर्भर करते हैं, उदाहरण के लिए अगर आपकी आय का स्त्रोत केवल वेतन है तो आपको फॉर्म 16 और 12 बीए में नियोक्ता से वेतन प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी। हाऊस रेंट अलाउंस का फायदा उठाने के लिए रेंट रिसीट का जिक्र फॉर्म 16 में नहीं है तो उन्हें तैयार रखें। अगर आप स्वरोजगार में लगे हैं तो करदाता को पूंजी आधार और लाभ-हानि खाते का वितरण देना चाहिए। पूंजीगत परिसंपत्ति के मामले में परिसपंत्ति की खरीद-बिक्री के पर्याप्त कागजात होने चाहिए, अन्य स्त्रोतों से आय प्राप्त होने की स्थिति में आपको इनसे संबंधित कागजात भी रखने होंगे। लोगों के कल्याणार्थ आपने रकम दान दी है और इस पर करों में छूट चाहते हैं तो आयकर रिटर्न फॉर्म भरते समय इसकी रिसीट भी तैयार रखें। इसके अलावा आप अगर दूसरी किसी कटौती का लाभ उठाना चाहते हैं तो भुगतान करने का प्रमाण या रिसीट अपने पास रखें, स्त्रोत पर काटे गए कर के लिए आय प्रदाता से फॉर्म 16 लेना नहीं भूलें। प्रीपेड टैक्स के तहत रकम की समीक्षा के लिए अब फॉर्म 26ए या टैक्स क्रेडिट स्टेटमेंट कर विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

**सही आईटीआर फॉर्म का करें चयन :** अपनी आय के स्त्रोत के आधार पर आयकर विभाग की वेबसाइट से सही आईटीआर फॉर्म का चयन करें। आईटीआर 1,2,3,4 और 4 एस होते हैं, आय के विभिन्न स्त्रोतों में वेतन, पेंशन, ब्याज आय, फैमिली पेंशन, किसी दूसरे स्त्रोत से आय की प्राप्ति या नुकसान, निवेश या जायदाद बेचने पर पूंजी प्राप्ति या नुकसान आदि शामिल होते हैं। हिन्दू अविभाजित परिवार और हरेक व्यक्ति के लिए विभिन्न तरह के फॉर्म होते हैं। अगर आप बच्चों की आय, विदेशी परिसंपत्तियां और नुकसान कैरी-फॉरवर्ड कर रहे हैं तो संबंधित फॉर्म में इनके लिए अलग से अनुसूचि बनी होती है, टैक्स रिटर्न फॉर्म में बैंक के आईएफएससी कोड का जिक्र करना अनिवार्य होता है।

**फॉर्म भरना :** अगर आपकी आय सालना 5 लाख रूपये से कम है तो आपके लिए ऑनलाइन आईटीआर भरना

KANTI CLOTH STORE
15, NOORMAL LOHIA LANE, KOLKATA - 700 007
PHONE : 2268-5893, 98311 20401
Dealers in : All types of Cotton Saree & Suit Pcs.

अनिवार्य है। लेकिन आय इससे अधिक होने पर इलैक्ट्रॉनिक आधार पर आईटीआर भरना जरूरी है, इलैक्ट्रॉनिक फाइलिंग के लिए आप ऑफलाइन फॉर्म भर सकते हैं और एक्सएमएल फाइल अपलोड कर सकते हैं, इसके लिए आपको वेबसाइट से संबंधित आईटीआर फॉर्म डाउनलोड करना होगा, फिर इसे ऑफलाइन भरकर एक्सएमएल तैयार कर डेक्सटॉप पर रखना होगा, इसके बाद अपने पैन कार्ड का इस्तेमाल करते हुए ई-फाइलिंग वेबसाइट पर पंजीयन कराना होगा। तत्पश्चात पोर्टल पर लॉन इन करना होगा जिसके बाद ई-फाइल-इन्कम टैक्स रिटर्न-अपलोड रिटर्न पर जाना होगा। आप आईटीआर ऑनलाइन भी फाइल कर सकते हैं, अगर आप डिजिटल हस्ताक्षर के साथ रिटर्न अपलोड करते हैं तो एक्रॉलेजमेंट प्रमाण के तौर पर अपने पास जरूर रखें। वेबसाइट के जरिये आप डिजिटल सिग्नेचर प्राप्त कर सकते हैं। अगर डिजिटल हस्ताक्षर के बिना रिटर्न अपलोड किया जाता है तो एक्रॉलेजमेंट पर हस्ताक्षर नीली स्याही में होना चाहिए और सीपीसी बैंग्लूर को स्पीड पोस्ट या साधारण डाक से भेजना चाहिए।

**सेवा की पेशकश करने वाली वेबसाइटें :** ज्यादातर वेबसाइटें, जो यह सेवा ऑफर करती है, वह 100-200 रूपये शुल्क लेती हैं, अगर किसी वेबसाइट से आपको सॉफ्टवेयर डाउनलोड करने में दिक्कत होती है तो इतना ही शुल्क देकर दूसरी वेबसाइट की सेवा ले सकते हैं।

**आईटीआर बैंग्लूर कैसे भेजें :** आईटीआर बैंग्लूर भेजने से पहले कुछ प्रक्रियाएं पूरी करनी चाहिए। आईटीआर फॉर्म प्रिंट करने के लिए हमेशा इंक जेट या लेजर प्रिंटर का ही इस्तेमाल करें। डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर का इस्तेमाल नहीं करें, आईटीआर काली स्याही में ही प्रिंट करें। कागजात की मूल प्रति सीपीसी को भेजना चाहिए और इस पर हस्ताक्षर करना नहीं भूलें, क्योंकि हस्ताक्षर की छायाप्रति स्वीकार नहीं होगी, ए4 आकार के सफेद कागज का ही इस्तेमाल होना चाहिए। बोर कोड और इसके नीचे संख्या पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए, आईटीआर के साथ कोई अन्य लिफाफा या पत्र नहीं डालें। रिटर्न आपलोड करने के 120 दिनों के भीतर आईटीआर बैंग्लूर पहुंचना चाहिए, अन्यथा यह माना जाएगा कि आपने रिटर्न जमा नहीं किया है।

**रिटर्न फाइल करते समय होनी वाली गलती :** अगर आप रिटर्न फाइल करते समय गलती करते हैं तो संशोधित आईटीआर फाइल करने के लिए आप उसी प्रक्रिया का दोबारा अनुसरण कर सकते हैं, अगर आप वास्तविक और संशोधित रिटर्न भेज रहें हैं तो सुनिश्चित करें कि आप इसे एक दूसरे से स्टैपल नहीं करते हैं।

**कुछ सामान्य गलतियों से बचें :** गलत फॉर्म का चयन, गलत पैन संख्या देना और सीपीसी बैंग्लूर भेजने से पहले आईटीआर पर हस्ताक्षर नहीं करने जैसी गलतियों से बचना चाहिए। ❑

▶▶ *Quality is the only difference between a diamond and stone.*

▶▶ *If you can use Time & Mind wisely, you can achieve any destination in your life. Time and mind are the most powerful resources for a human being.*

SUBHASH KEDIA
KEDIA TRADING PVT. LTD.
42, SHIVTOLLA STREET (LAXMI BHAWAN), 3rd FLOOR, KOLKATA - 700 007
PHONE : 2274-9838, 3068-1290, 98310 21084, E-mail : klplkol7@gmail.com
jay Bholaram SAREES
MANUFACTURER OF EXCLUSIVE SAREES

# Why Is Textiles In India A Low Margin/profit Business ?

Textile Industry is said to be a low margin/profit business - apart from niche segments, most players complain of this trend.

We would agree with this observation of low margins and the struggle that most players have had to make to survive and grow. Textile industry as the common man knows, is basically divided broadly into Textiles (fibre to fabric stage) and Clothing (the end garments used by the consumer). Both segments have different characteristic and features and hence the reasons for failure/success would naturally be different. The first part i.e. Textiles is essentially an industrial product and goes as an input into the second part i.e. Clothing which is a consumer product.

Commonsense would say Indian Textile Industry should be thriving as :

- Clothing as we all know is one of the necessities of human beings and is something whose demand can never die. Recession or any other situation - clothing is always needed and is indispensable. India with its billion plus people, provides a huge market for the industry.
- Secondly, it has been a trend for centuries that this industry moves from the developed high cost centres to the developing/low cost centres. India fits perfectly into this criteria and the dismantilign of MFA in 2005 provided it a perfect platform to boom.
- Thirdly, the Government of India has been very kind to the industry in terms of interest/capital subsidies through TUFS and other State textile Policies, concessional infrastructure through SITP scheme and various export incentives to develop global markets.
- Fourthly, India has a huge production of raw cotton, which makes the essential raw material available at reasonable prices in abundance, providing it a competitive advantage.

However the truth is very different, which is obvious by some of these indicators :

- The growth of fabrics and yarn over the last few years has been just about 5% per annum i.e. below our GDP growth rate.
- One of the largtest restructured industries in India has been textiles - the Government itself made concessions twice in last 4 years to enable smooth restructuring of loans.
- The industry is least preferred by both Banks and Stock Markets - It enjoys very low valuations in stock market (P/E of 3 to 5) and hardly any analyst covers the industry.
- Most textile companies are heavily leveraged and have very low profit margins.
- The new generation is shying away from the industry.
- All major corporate/business groups have moved out of this industry like Reliance and Tatas.

There are many reasons attributed to the poor performance of the textile industry for almost the last two decades. Some of them are :

- Inconsistent government policies (however to be noted that probably no industry is more subsidized than this).
- Too many players / competition due to low entry barriers and cheap funding available from Banks due to interest/capital subsidy by Government - an advantage actually becoming an indirect burden.
- The developed countries, where most of the market is there, squeezing the poor and developing nations. Till 2008 the dollar prices of textile products fell for almost a decade - USA and Europe saw deflation in textile products.
- Low labour cost and other factor costs of our competitors like China, Bangladesh, Pakistan and Vietnam.
- Concessional tariffs for LDCs like Pakistan, Bangladesh, Vietnam etc - however, to be noted that the largest player i.e. China has none.
- Removal of MFA in 2005, which lead to dismantling of quota regime and created opportunities for volume growth of the efficient producers - hence margins

MADAN MOHAN TEKRIWALA
MMT FRESH FASHION PVT. LTD.
Madan Mohan : 97487 80100
Sunil Kumar : 97487 80101
Suneet Kumar : 97487 80102
All kinds of INDUSTRIAL, BED SHEETS & GARMENTS FABRICS
203/1, Mahatma Gandhi Road (1st Floor), Kolkata-700 007
Phone : 2268 5346, 3292 3532, 3253 1236 ; E-mail : mmtfashion@gmail.com

enjoyed by existing players due to holding of quotas was gone.

- High energy costs vis a vis competition, which nullified other advantages.

However, while giving these excuses, one doesn't realize that most of them hold true in the global context and for the exports market. Poor performance by export-oriented companies can be understood, but why is the domestic market based companies not doing well - their volumes and sales may be growing but profits are low or absent and balance sheets are under severe stress.

Yes, where the industry has almost 30-35 per cent of export contribution, its fortunes would be linked to the same for sure. But is this the main and only reason ?

Some of the facts which comes up for consideration are that still 75-80 per cent of the fabric and apparel industry is fragmented unorganized and in the small scale (spinning industry is the only segment which is organized and modernized). These are typically family owned companies operated by the owners' themselves. Hence

- Factors of production like rent, capital and salary are not accounted for - these important resources are not priced in for costing purposes.
- Taxes and duties of various types are not paid by this segment of the industry.
- It's not clear whether the profits earned by the unorganized sector are "real profit of enterprise" or just return on resources emplyed.

As a result the organized sector or new companies that enter this field find it difficult to compete and make profits. They have to compete with the large unorganized sector, which has no real sense of costing/pricing. The organized sector prices in all its cost of production is in form of interest, rent and salaries. In India typically costs are linked with cash flows and when you own resources like capital, land and enterprise/labour - it's taken for granted. Hence it's very important for new or existing entrants in the organized segment to take this into account and treat this as an important competitive challenge while drawing up their business plan.

The domestic industry, except for some competition from Bangladesh and Sri Lanka over the last two years, has been immune to external competition due the prohibitive import duty rates.

However with FTAs getting signed it's a matter of time when we shall be fully open to all types of competition. It's hence important that we understand the complexities of the business/industry and gear up for the same before its too late. We can't keep functioning the way we have been doing.

The industry needs to discipline itself to earn a reasonable margin on its products. Mindless pursuance of topline at the expense of bottomline isn't sustainable in the long run. The absence of large groups and new generation in the one of the largest industry of the world is clear indicator and alarm for all of us. Demand and supply are the ultimate determinants of price and margin, hence expansion without understanding the competitive forces would lead the industry into further bad shape.

**How long will the industry walk on the crutches of government subsidy, tax exemptions and protected tariffs - we need to become more efficient and sharpen our competitive position with sustainable advantages/strengths to make the industry a healthy and prosperous one.**

**Conclusion :**

To many it may be seen as a diagnosis with no treatment prescribed. However, if read between the lines, the solution is very obvious and apparent. In simple words, we need to ensure that the supply side consists of efficient and competitive players. The inefficient players need to be weaned out and discouraged from entering. Supply should be commensurate to the demand we can meet competitively and inefficient supply should be strongly discouraged.

**Appeal to all textile players :**

Please cost in all your factors of production like rent of owned property, interest of own capital and salary of family members and see whether after it, there is real profit in the profit & loss account. Please ask yourself are we really making profits? If not, please have a relook at your business and restructure the same to make it really profitable. ❑❑

COTTON PRINTED SAREES
M. JAGDISH®
PHONE : 2271-1523
2268-7842
GOLDEN JUBILEE YEAR 50 Yerars of Service 2013
Specialist : Saree & Dhoti
Manoharlal Jagdishkumar
203/1, MAHATMA GANDHI ROAD, GROUND FLOOR, KOLKATA - 700 007

# AGM REPORT

दिनांक **24 अगस्त 2013** को चेम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एण्ड इन्डस्ट्री (कोट्टी) की 50वाँ वार्षिक साधारण अधिवेशन सभापति श्री विजय कुमार बिनायकिया की अध्यक्षता में चेम्बर सभागार में सम्पन्न हुई जिसमें लगभग 100 सदस्य प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

सभापति श्री विजय कुमारजी बिनायकिया ने अधिवेशन में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए उनकी सुस्वास्थ्य, सुख-शांति, समृद्धि एवं दीर्घायु होने की कामना की। सभापतिजी ने अपने भाषण में चेम्बर के प्रगति के बारे में विस्तृत रूप से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंत्री ने वर्ष 2012-13 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। नियमानुसार कार्य प्रणाली के उपरान्त मंत्री श्री महेन्द्र जैन ने निर्विरोध नव निर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। तत्पश्चात निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की जिसका सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया, जो निम्न हैं-

| Sl. No. | Name of Office Bearers | Post | Mobile Number |
|---|---|---|---|
| 01 | Shri Vijay Kumar Binaykia | President | 93310 19243 |
| 02 | Shri Arun Bhuwalka | Senior Vice President | 98310 54320 |
| 03 | Shri Ramesh Kumar Sonthalia | Vice President | 98300 13702 |
| 04 | Shri Mahendra Jain | Hony. Secretary | 93318 25508 |
| 05 | Shri Sanjay Todi | 1. Hony. Joint Secretary | 98300 31515 |
| 06 | Shri Devendra Bothra | 2. Hony. Joint Secretary | 98310 28560 |
| 07 | Shri Anil Miharia | Hony. Treasurer | 98311 91432 |

Textile Printing Materials

NILESH ENTERPRISE

207-F, RABINDRA SARANI,1st FLOOR, LALKOTHI, KOLKATA-700 007

PHONE : 033-2274 0735/0535 • Website : nileshenterprise.com

E-mail : nileshn@vsnl.net, Sushil@nileshenterprise.com

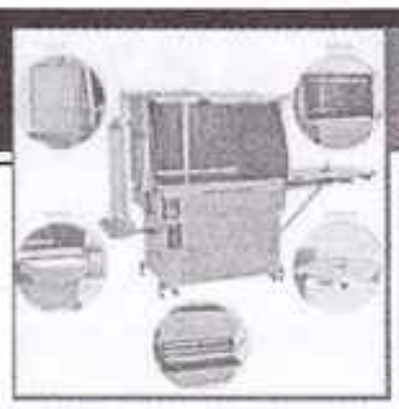

| Sl. No. | Executive Committee Members | Mobile Number |
|---|---|---|
| 01 | Shri Ashok Kumar Shah | 98300 81041 |
| 02 | Shri Balkrishan Dhelia | 98300 86900 |
| 03 | Shri Banshi Lal Mohta | 2271 0301 |
| 04 | Shri Bijay Shankar Agarwal | 98300 48548 |
| 05 | Shri Bijay Singh Jain | 98318 96420 |
| 06 | Shri Binod Kumar Kedia | 98300 45198 |
| 07 | Shri Binod Kumar Nangalia | 98300 36952 |
| 08 | Shri Deoki Nandan Todi | 93392 07464 |

| Sl. No. | Executive Committee Members | Mobile Number |
|---|---|---|
| 09 | Shri Gautam Jhunjhunwala | 93310 50882 |
| 10 | Shri Ghanshyam Das Bang | 98310 25489 |
| 11 | Shri Gopal Das Maloo | 98301 44047 |
| 12 | Shri Harish Kumar Agarwal | 98311 68811 |
| 13 | Shri Jitendra Jajodia | 98310 13779 |
| 14 | Shri Mahesh Kumar Agarwal | 98300 32266 |
| 15 | Shri Mukesh Parekh | 93397 17422 |
| 16 | Shri Om Prakash Poddar | 98301 61611 |
| 17 | Shri Rajesh Goyal | 98301 23102 |
| 18 | Shri Sanjay Kumar Khetan | 93302 74970 |
| 19 | Shri Santosh Kumar Kheria | 98310 35000 |

सभापति ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को धन्यवाद दिया तथा कहा कि सदस्यों ने आपलोगों को जिस प्रकार भारी बहुमत से विजयी किया हैं उसी प्रकार आपलोगों का भी कर्तव्य बनता है उनके दु:ख एवं असुविधाओं को सुनना तथा उनके निदान का प्रयास करना। तत्पश्चात पूर्व सभापतियों ने निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों एवं विशेषकर श्री विजय कुमारजी बिनायकिया को बधाई एवं आशीर्वचन दिया। तत्पश्चात उन्होंने विजय बाबू को प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके नेतृत्व में कोट्टी और भी प्रगति करेगी। कुछ साधारण सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किये। अन्त में नवनिर्वाचित वरिष्ठ उप सभापति श्री अरूण भुवालका ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवं सभा की कार्यवाई समाप्त की गई। ❑

**R. S. N. Tex (P) Ltd.** 197, M.G. ROAD, 2ND FLOOR, KOLKATA-700 007
PHONE : 033-2218 1861, 3294 9167, 3299 0637
E-mail : surendra_pitty@yahoo.co.in



**PITTY**™
**SAREES**



PAKKA RANG UCHIT DAAM

# Rupee Devaluation Beneficial To Textile Exporters

Devalued rupee along with the diversion of orders from Bangladesh to India because of recent political turmoil in that country has brought smiles back to textile industry. These favourable indications have raised the hope of achieving 40 billion US dollar textile exports in financial year 2014 as compared to 32-billion US dollar in financial year 2013.

Mr. D K Nair, secretary, Confederation of Indian Textile Industry said "Rupee devaluation has become beneficial to textile exporters. This comes at a time when orders from European markets are picking up. If this trend persists, the industry will be able to achieve the target.

In fact, factory-compliant manufacturing in India has risen with new export orders in the current season. Chains and international brands such as Walmart, GAP, American Eagle and JC Penny maintain highest standards of factory compliance and these brands plan to expand their sourcing from India. Apparel Export Promotion Council (AEPC) estimates that the flow of expansion orders to India is expected to fetch an additional three billion US dollar business this year. In financial year 2013, the country exported garments worth 12.5 billion US dollar.

AEPC chairman, Mr. A. Sakthivel said India has become a preferred source due to the persistent improvement in factory capacity building. Over 200 garment manufacturing units have been adding capacity over the last few years. The political tension in Bangladesh has also created opportunities for Indian textile exporters. Chairman of Rs. 360-crore Tirupur-based Royal Classic Mills, Mr. R. Gopalakrishnan said "A good number of orders have been diverted from Bangladesh to Indian because of the political tension there. There are compliance issues as well in the case of Bangladesh textile trade. However, the industry is facing labour shortage. Even if we are getting orders, we won't be able to deliver them on time as there is a shortage in manpower." Royal Classic Mills is a leading exporter of T-Shirts to the US and Europe. ❑

प्रिय सदस्यगण, आपकी संस्था कोट्टी ने उत्तराखण्ड में आयी हुई भयंकर त्रासदी के लिये एक बड़ा प्रकल्प लेने का संकल्प लिया है, इस संकल्प को आप सभी सदस्यों के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है। इसके लिये अर्थ संग्रह का कार्य चल रहा है। हम सभी सदस्यों के आभारी हैं, जिन्होंने अपनी सहयोग राशि भेज दी है। अत: एक बार पुन: हम आपसे अनुरोध करते हैं कि जो सदस्य अभी तक सहयोग राशि नहीं भेज पाये हैं, वे भी शीघ्र ही **COTTI TRUST** के नाम से **Cheque**/नगद राशि चेम्बर कार्यालय में भेजकर रसीद प्राप्त कर लेवें। आपकी दी हुई अनुदान राशि आयकर धारा **80G** के अर्न्तगत कर मुक्त है।

BHASKAR DENIM

S.R. COTTS SERVICES PVT. LTD.

178, MAHATMA GANDHI ROAD, 2ND FLOOR, KOLKATA-700 007

DENIMS (4ozs to 14.50ozs) / BOTTOM WEIGHTS - GREY, RFD, DYEDS,
PRINTS, CORDS CANVAS (4ozes to 32ozs) / FLANNEL - GREY / DYEDS & PRINTS

Contact

AMIT DHELIA - 98300 26504

Ph : 033-2268-1365 / 2270 8257 / 2218 7528; E-mail : aamitdhelia@gmail.com

# Textile Ministry Earmarks 10% of Budget for NE States

As per the Centre's decision, the Ministry of Textiles has been earmaking 10 per cent of its total budget outlay exclusively for the North-Eastern states.

During the current year, the Ministry of Textiles has formulated three new schemes exclusively for implementations the North-Eastern states. The schemes are North-Eastern Textile Promotion Scheme, Scheme for usage of geotextile in the North-Eastern states and scheme for promoting agrotextile in those states.

The centre has taken various initiatives to address the issue of deficit of trained manpower in the handloom sector and bridge the gap between the scheme and market requirement. The scheme of integrated Skill Development for handloom workers targets to create a pool of 59,900 trained weavers in the span of five years from 2012-13.

Skill upgradation is also one of the major inputs in the cluster development programme of integrated Handoom Development Scheme (IHDS). For the betterment of skilled labour in the handloom sector, government has introduced policy initiatives such as cluster development approach, marketing promotion, revival of viable and potentially, viable societies through loan waiver and recapitalization assistance, violability of subsidized yarn and credit etc. In addition, life insurance and health insurance coverage is also being provided to handloom workers.

The government is also implementing number of schemes such as Babasahed Ambekar Hastshilp Vikas Yojana (AHVY), Design & Technical Upgradation Scheme, Marketing & Export Promotion scheme and Handicraft Artisans Comprehensive Welfare Scheme with components of the life insurance and health insurance for the betterment of handicraft artisans.

Similarly, for the betterment of sericulturists, the government is implementing schemes like Catalytic Development Programe. In addition, the government has introduced the integrated skill development scheme (ISDS) in 2010-11 with the objective of creating a skill workforce for the textile sector. Under the scheme, a total of 1,00,000 persons have been trained since the beginning of the schme, Rs 1900 crore has been spent for the training of 15 lakh people during the 12th plan period. ❑

# Forthcoming fairs

## NATIONAL

**OCTOBER 2013**

**03-05** **Mumbai**

**Techtextil India 2013**

Bombay Exhibition Centre, (BEC),
Mumbai
Messe Frankfurt Trade Fairs India Pvt. Ltd.
Cperson : Mr. Syed Md Javed / Chery
Ph : + (91)-(22)-61445900
Fax :+ (91)-(22)-22027243

## INTERNATIONAL

**OCTOBER 2013**

**27-30** **Hong Kong**

**China Sourcing Fair : Underwear & Swimwear, Garment & Textile, Fashion Accessories.**

Asia World-Expo - Hong Kong
Tel : (852) 2814 5598
E-mail : exhibit@chinasourcingfair.com

**S. R. TEXTILE & YARN SALES PVT. LTD.**

158, JAMUNALAL BAJAJ STREET, KESHORAM KATRA,
2ND FLOOR, KOLKATA - 700 007 (W.B.)

**Wholesale Dealers in :**
- DENIM FABRIC (5 Oz – 15.5 Oz)
- NON-DENIM (COTTON, POLY-VISCOSE, POLY-COTTON)
  - BOTTOM-WEIGHT (GREY, RFD, DYED, PRINT, STRUCTURES)
  - SHIRTING-WEIGHT (GREY, RFD, DYED, PIGMENT BLOCH, PRINT)

Ph. : 2272-7351/52
Fax : 2273-6401
Mob : 98300 13702
98307 58333
E-mail : skrk@cal3.vsnl.net.in

# कॉस्ट मैनेजमेंट - हर युवा का मनपसंद क्षेत्र

बढ़ती कंपनियों के कारण आज फाइनेंस और अकाउंट्स के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। यह क्षेत्र न सिर्फ चमक रहा है बल्कि कुशल युवाओं को मौके भी मुहैया करा रहा है। स्थानीय कम्पनियां भी रोजगार के एक बड़े हब के रूप में स्थापित हो चुकी हैं। आजकल कंपनियों में कॉस्ट कटिंग का चलन बढ़ गया है। जाहिर है इसका फायदा सीधे तौर पर कंपनी को मिलता है। कॉस्ट कटिंग से जुड़े पेशेवरों को कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट (सीएमए) कहा जाता है। ये किसी भी कंपनी की बिजनेस पॉलिसी तैयार करने, स्ट्रेटिजिक डिसिजन उपलब्ध कराने एवं फाइनेंशियल रिपोर्ट प्रस्तुत करने सम्बन्ध में कार्य करते हैं।

इससे पहले कि हम इस क्षेत्र से जुड़े फायदों पर नजर दौड़ाएं बेहतर है इस क्षेत्र को विस्तारपूर्वक जान लिया जाए। सीएमए यानी कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट का मुख्य काम खर्च का एक खाका बनाना है। दरअसल, सीएमए का फोकस कंपनी के लाभ को बढ़ाना तथा खर्च में कटौती करने की कोशिश करना है। साथ ही चूंकि इसका काम वित्तीय विषयों से जुड़ा होता है इसलिए किसी विशेष प्रोजेक्ट पर हो रहे खर्च के मुद्दे पर भी सीएमए खास तौर पर गौर करता है। वह कंपनी के मैनेजर के साथ मिलकर प्रोजेक्ट विशेष पर चर्चा करता है और उसका बजट तैयार करता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट जहां कंपनी की रिपोर्ट डायरेक्टर या मैनेजर के पास भेजता है, वहीं एक सीएमए उस रिपोर्ट को कंपनी के डायरेक्टर या मैनेजर के पास न भेजकर सीधे भारत सरकार को भेजता है। जानकारों की मानें तो आने वाल समय में हर बड़ी कंपनी में सीएमए को नियुक्ति अनिवार्य हो जाएगी।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स की ओर से जारी अधिसूचना के तहत अब बल्क ड्रग, टेलीकम्युनिकेशन, शुगर, इलेक्ट्रिसिटी, पेट्रोलियम सहित करीब एक दर्जन निर्माता इकाइयों में कॉस्ट ऑडिट अनिवार्य होगा। इससे उत्पाद निर्माण में गुणवत्ता तथा उत्पाद लागत में कमी आने का फायदा सीधे उपभोक्ताओं को मिलेगा। अब ऐसी निर्माता कंपनियों को कॉस्ट ऑडिट के दायरे में लाया गया है। जिनकी नेट वर्थ पांच करोड़ से ऊपर तथा टर्नओवर २० करोड़ से अधिक होगा या उन कंपनियों को इक्विटी भारत में या भारत के बाहर किसी भी शेयर बाजार में लिस्टेड है या लिस्टिंग की प्रक्रिया में है।

आगे बढ़ते हुए आपको यह भी बता दें कि सीए/सीएस/सीएमए में काफी अंतर है। इसलिए कोई छात्र यह सोच रहा है कि ये तीनों क्षेत्र एक ही हैं तो वे बड़ी गफलत का शिकार हैं। सबके कार्य के स्वरूप और भूमिकाएं अलग-अलग हैं। हालांकि सीए और सीएमए कुछ हद तक एक जैसे होते हैं, लेकिन एक सीएस इनसे बिल्कुल भिन्न होता है। जहां एक ओर सीएस का काम कंपनी लॉ से जुड़ा होता, वहीं दूसरी ओर सीए वार्षिक रिपोर्ट की ऑडिटिंग से जुड़े कामों को देखता है। इसी तरह से सीएमए इंटर्नल ऑडिटिंग, कॉस्ट ऑडिटिंग से जुड़े कार्यों में अपनी सेवाएं देता है। कहने का मतलब यह है कि तीनों का अपना-अपना अलग महत्व है। मौजूदा समय में आईसीडब्लूए का स्वरूप काफी बदल गया है। भारत सरकार की संसद के अधिनियम के अंतर्गत स्थापित दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीडब्ल्यूए) का नाम अब भारत सरकार के गजट के अंतर्गत दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) कर दिया गया है। इसके अलावा सभी मेंबर आईसीडब्ल्यूए से अब कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट यानी सीएमए बन गए हैं।

बहरहाल, इसमें दाखिला लेने के लिए भी हमें खासा सजग रहने की आवश्यकता हैं। इसमें साल भर में दो बार

sati shree sarees
satitex sarees
sati kreation suits
9B MADAN CHATTERJEE LANE, NEAR RAM MANDIR, KOLKATA 700 007
TF : (033) 2268 5788, 2269 4451, E-mail : satitex@cal3.vsnl.net.in
180B CHITTRANJAN AVENUE, NEAR RAM MANDIR, KOLKATA 700 007
TF : (033) 2257 3818, 4070 5011, E-mail : satikreation@gmail.com
sarees suits

परीक्षाएं आयोजित की जाती है। तीनों कोर्स के दौरान तीन साल की ट्रेनिंग अनिवार्य है। इंटरमीडिएट कोर्स के बाद छह माह की ट्रेनिंग होती है, इसके बाद ही फाइनल कोर्स में प्रवेश मिलता है। फाउंडेशन कोर्स के लिए फीस ३५०० रुपये, इंटरमीडिएट कोर्स के लिए पोस्टल १५,७०० रुपये और ओरल १९,७०० रुपये जबकि फाइनल कोर्स में पोस्टल फीस ११,५०० रुपये और ओरल के लिए १६,५०० रुपये निर्धारित है। यह फीस हर साल रिवाइज भी होती है। फाउंडेशन कोर्स, इंटरमीडिएट कोर्स और फाइनल कोर्स यानी तीनों के कोर्स का ढांचा बिल्कुल भिन्न होता है। जहां एक ओर फाउंडेशन कोर्स के लिए ऑर्गेनाइजेशन एंड मैनेजमेंट फंडामेंटल्स, अकाउंटिंग, इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस फंडामेंटल्स, बिजनेस मैथमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स फंडामेंटल्स होते हैं वहीं इंटरमीडिएट कोर्स में फाइनेंशियल अकाउंटिंस कॉमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल लॉज एंड ऑडिटिंग, अप्लायड डायरेक्ट टैक्सेशन, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड इंफर्मेशन सिस्टम, अप्लायड इनडायरेक्ट टैक्सेशन शामिल हैं।

फाइनल कोर्स के अंतर्गत कैपिटल मार्केट एनालिसिस एंड कारपोरेट लॉज, फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड इंटरनेशनल फाइनेंस, मैनेजमेंट अकाउंटिंग स्ट्रेटिजिक मैनेजमेंट, इनडायरेक्ट एंड डायरेक्ट टैक्स मैनेजमेंट, मैनेजमेंट अकाउंटिंग- एंटरप्राइज परफॉर्मेन्स मैनेजमेंट, एडवांस फाइनेंशियल अकाउंटिंग एंड रिपोर्टिंग, कॉस्ट ऑडिट एंड ऑपरेशनल ऑडिट, बिजनेस वैल्यूएशन मैनेजमेंट आदि आते हैं। ❑

## Many Foreign Brands Set to Enter Indian Kidswear Market

Several foreign companies, including Taiwanese firm Tung Ling industries and German multibrand retailer Prowl, are planning to enter the Indian kidswear market due to the increasing demand for such clothing in the country.

According to a recent study on Indian kidswear market conducted by the United Business Media (UBM) India, a leading global business media company, in collaboration with RNCOS, a leading industry research and consultancy firm, the domestic kidswear sector is currently estimated to be around Rs 45 billion and it is expected to grow at around 18 per cent annually during 2011-15.

Managing Director of UBM India, Mr. J. George said. "Several foreign companies are entering into the Indian kidswear market and major factors to boost the growth of this segment are rising media exposure to brand, high-disposable income and growing fashion and brand consciousness of kids."

According to Mr. George, Indian market is ever growing and the real might of Indian economic is its rising middle class. Young and exposed Indian parents want to make their very best of global brands available for their children and they are getting more and more quality-oriented, this is the reason for quality-oriented brands to make their way to Indian market, he said.

Director of Little Feet, Mr. Deepak Agarwal said, presently the market size of the domestic kidswear is Rs 380 billion and it is likely to grow to Rs 800 billion by 2015 mainly due to the continuous rise in monthly per capita expenditure of urban population in India." Foreseeing the increasing demand for kidswear market in India, Tawanese firm Tung Ling industries has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Chennai-based Little Feet Company to manufacture and distribute the company's kids brand PIYO PIYO in India. ❑

SETHIA INTERNATIONAL
11, POLLOCK STREET, KOLKATA - 700 001
Tel. : 2235-1470 / 5158, FAX : 2221-5706, Mobile : 98300 43788
Del Creders Agents of RELIANCE INDUSTRIES LIMITED
*For Polyester Staple Fibre, Polyester Texturised Yarn, RECRON Fibrefill and PET Resin*
*For West Bengal, Assam North East Region and Franchisee of "RECRON" Fibrefill Pillows.*

# A promising Opportunity for knitwear Industry in India

*Despite being strong in wovens, the knitwear industry in India is on a double-digit growth trajectory. The industry is gearing up for bigger play in the Indian apparel industry, which witnessed a strong growth in first one year.*

*Globally, trade in knitwear fared better compared to wovens and there is an increased demand for kinitted apparels. A study by a constituency firm Wisedge indicates that knitwear constitutes 50 per cent of the domestic apparel market in India and 45 per cent of the apparel exports from the country. Knitwear grew at a CAGR of seven cent globally and is expected to grow at a much faster pace in coming years. In India too, the growth of knitwear has been upward of 9 to 10 per cent. Its growing acceptance has helped boost the knitwear industry in India. "At one time you would hardly find T-Shirt on 40-years-olds. But now the picture has changed considerably." Traditionally, India has been woven-based,. But the fact is T-Shirt suits the Indian climate.*

*Despite the growth story, the segment is facing its ownset of troubles and rising cotton and yarn prices is most immediate one. Strong competition form global brands is another challenge. International brands have arrived in the market. However, higher priced brands are not a challenge, but some of them come at lower price points. Naturally customers prefer them.*

*Another problems is that the industry is fragmented. Processing is one area where the country lags and players can enhance the value of products by applying innovative finishing systems.*

*Bangladesh today is one of the biggest reasons for decline in India's knitwear industry. What helps Bangladesh and provides them an edge over India is the cost and their wages are lower. It is able to give cheap products at lower cost. Some big brands tried out sourcing from Bangladesh but discovered that the logistic costs were huge. So, the cost effectiveness which they looked at did not actually happen. Bangladesh has yet to reach a level to be a threat to Ludhiana or Tripur in Andhra Pradesh. And the removal of excise duty on branded garments has come as a boon, vice president, marketing and designing UV & Wavers, Mr. Rajat Mishra said.* ❑

## ध्यानार्थ

जिन सदस्यों का वर्ष २०१३-१४ का सदस्यता शुल्क अभी तक बकाया है, उनसे अनुरोध है कि अविलम्ब इसे चेम्बर कार्यालय में भिजवाने की कृपा करें।

– महेन्द्र जैन, मंत्री

**SHANTI TRADERS**
**S. K. YARNS (P) LTD.**
**SALONA COTSPIN LTD.**
**PREETI COTSPIN (P) LTD.**
*(Manufacturers of Cotton Hosiery Yarn, Polyester Hosiery Yarn)*

188, Jamunalal Bajaj Street, Kolkata - 700 007
Phone : 2272-0255/0238/0285, Fax : 2268-2102
Mobile : 98300 32266

*Authorised Agent of :*
**RELIANCE INDUSTRIES LTD.**
BRANCH : COIMBATORE / TIRUPUR

# Amendments in Profession Tax Rules

The Government of West Bengal, vide is Notification No. 827-F.T, dated 18th June, 2013 has made some amendments in Profession Tax Rules. The Notification is reproduced below for general information of our Members.

No. 827-F.T., the 18th day of June, 2013. - In exercise of the power conferred by subsection (1) of section 25 of the West Bengal State Tax on Profession, Trades, Calling and Employment Act, 1979 (West Ben. Act VI of 1979), the Government is pleased hereby to make the following amendments in the West Bengal State Tax on Profession, Traders, Calings and Employments Rules, 1979, as subsequently amended (hereinafter referred to as the said rules) :-

## Amendments

In the said rules, -

(1) in CHAPTER II, in rule 4, -

(a) for sub-rule, (2), substitute the following sub-rule :-

"(2) Where an applicant has more than one branch or office or place of work in West Bengal, he may, at his option, make a single application in Form II in respect of all such branch or office or place of work, along with the declaration appended in Annexure to From II, and submit the same to the prescribed authority in whose jurisdiction his principal place of business is situated:

Provided that where an applicant has already obtained a certificate of enrolment for his principal place of business and intends to apply for enrolment for his other branches or offices of work in West Bengal, he may opt to make a single application as stated in this sub-rule.?

(b) for sub-rule (5), substitute the following sub-rule :-

"(5) Where an applicant has submitted a single application by exercising his option under sub-rule (2), the prescribed authority shall issue a separate certificate of enrolment in Form IIA, for each branch or office of such applicant.";

(2) in CHAPTER VIII, in rule 25. -

(a) in sub-rule (1), -

(i) after item (ii), insert the following item :-

"(iia) by e-mail at the address as disclosed by the applicant at the time of making application for enrolment or resignation or on the basis of information available, as the case may be.";

(ii) to the first proviso, add the following provision :-

"Provided further that where the notice is served in accordance with the method state in clause (iia), the provisions of the first proviso shall not be applicable.";

(b) after sub-rule (2), insert the following sub-rule :-

"(3) Where a notice is required to be issued by any authority electronically under any of the provisions of the Act or the rules made there under, such notice shall be issued under the digital signature within the meaning of information Technology Act, 2009 (21 of 2000), of such authority, as may be authorized by the Commissioner for the purpose." ; ❑

Geeta SAREES
SHARDA TEXTILES
TULSI PRASAD HARISH KUMAR
*Manufacturers of Cotton, Synthetics & Fancy Embroidery Sarees*
147, Cotton Street (Rampuria Katra), 2nd, 3rd & 4th Floor, Kolkata - 700 007
Phone : (S) 2268 1294 / 3731 / 7731 (R) 2334 2342, Fax : 033-2268 5018
E-mail : geetacal@vsnl.net. • Website : www.geetasarees.com

# Textile Exports

Total exports of textile products were (excluding fibres, jute, coir & handicrafts) worth US $ 24.86 billion during fiscal year 2012-13 (FY13). Exports of textle products that have been covered under this report were USD 25.45 billion during pervious fiscal year (FY12). That is overal I2.3% decline over previous year exports in US Dollar terms. However, the textiles exports were observed with 10.9 per cent increase in India rupee term thanks to depreciatin of ruee by 14.5 percent with US Dollar during FY 13 vis-a-vis same period of FY12. The exports have increased from Rs.1,21,973 crore of FY12 to reach at Rs.1,35,263 crore by end of fiscal year 2012-13, that is, by 31st March 2013. This is highest textiles exports earings in rupees therm our country has ever made. Mai drives were textiles products like cotton yarn, mon-made garments and garments of other material than of cotton or wool to sustain the higher exports.

Cotton garments continued to the the top segment as it occupied a very high share of 33.9 per cent intotal textiles exports. Exports in this segment were worth US $8,422 million durig FY13, a decine of 12.5 per cent fro US$9,620 million of previous fiscal year.

During the recent fiscal yer 2012-13 (FY13), out of the seven segments of textile product exports covered here, four segments had seen decline in exports. Te segments that witnessed severe contractions in exports were Wollen textiles and garments (19 per cent) and Cotton Garments (12.5 per cent). Cotton yarn and made-ups, garments of man-made fiber and of othrs (not of natual fibres) registered increments in their exports.

Country-wise textiles products exprots of USA remained flat at USD 4.75 billion, a marginal increment of 1.3 per cent during FY 13 over same period of previous fiscal Year. This country also occupied numberone ranking with 19 per cent share in textile exports. Among the textile product imports in USA from India, the apparel import contracted by 8.3 per cent while non-apparel import increased by 9.0 per cent during January-December 2012 over same period of 2011 (Sources : Otexa). However, during January-March 2013, imports of textiles products, except for apparel, are picking up in US market. Among non-apparel category of imports in US from India, made-ups and similar other cotton products have increase by 10 per cent. Overall non-apparel category of imports in US from India has shown an increment of 8.1 per cent while apparel imports fromIndia to US still have negative growth of -6.1 per cent Jan-Mar 2013 over same period of 2012. India exported a significant portion of its textile products of around 35% in Euro zone. UK, Germany, France, Italy and Spain are major five markets where India normally exports around 25% of all its textile products. All these five countries were also amoung the top 10 destinations for textiles exports. However, there were severe decline in textile exports in all these countries from India. Exports in China and Banglaesh have increased by 79.3 per cent and 36.8 per cent, thanks to significant jump incotton yarn demands from these nations. Brazil has also demanded more cotton yarn in recent time than ever before. UAE was among the largest destinations but here again exports growth was negative (-2.1 per cent) during the period.

## Summary Table - Exports

**India's Exports of Textile Products** (US$ Million)

| | FY12 | FY13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| USA | 4,688 | 4,747 | 1.3 | 19 |
| U ArabEmts | 1,991 | 1,949 | -2.1 | 8 |
| UK | 1,827 | 1,815 | -0.7 | 7 |
| Germany | 1,525 | 1,269 | -15.0 | 5 |
| China | 694 | 1,269 | 82.7 | 5 |
| Banglaesh | 818 | 1,101 | 34.7 | 4 |
| France | 898 | 741 | -17.5 | 3 |
| Spain | 718 | 685 | -4.6 | 3 |
| Italy | 833 | 633 | -24.0 | 3 |
| Brazil | 486 | 510 | 4.9 | 2 |
| Others | 10,976 | 10,114 | -7.8 | 41 |
| Total | 25,453 | 24,860 | -2.3 | 100 |

Source : DGCI&S, Kolkata

Mala™ SAREES

**Shree Balaji (Mala) Textiles Pvt. Ltd.**

180, Mahatma Gandhi Road, 2nd Floor, Kolkata - 700 007
Phone : 033-3240 9958
Resi. : 2337 3750, Mobile : 98300 45198
E-mail : binod_shreebalajitextiles@yahoo.co.in

## Summary Table - Exports

**India's Export of Textile Products** (Rupees, Crores)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| Cotton Yarn Fabrics Madeups, etc. | 32,612 | 40,898 | 25.4 | 30.2 |
| Manmade Yarn, Fabrics, Madeups | 24,294 | 24,676 | 1.6 | 18.2 |
| Wollen Yarn, Fabrics, Madeups, etc | 725 | 659 | -9.1 | 0.5 |
| Cotton Garments Incl. Accessories | 46,098 | 45,822 | -0.6 | 33.9 |
| Manmade Fibre Garments | 10,562 | 13,639 | 29.1 | 10.1 |
| Wool Garments | 1,655 | 1,617 | -2.3 | 1.2 |
| Garments of Other Textile Material | 6,027 | 7,952 | 31.9 | 5.9 |
| **Total Textile Exports** | **1,21,973** | **1,35,263** | **10.9** | **100** |

**India's Export of Textile Products** (US $ Million)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| Cotton Yarn Fabrics Madeups, etc. | 6,806 | 7,517 | 10.4 | 30.2 |
| Manmade Yarn, Fabrics, Madeups | 5,070 | 4,535 | -10.5 | 18.2 |
| Wollen Yarn,Fabrics, Madeups, etc | 151 | 121 | -20.0 | 0.5 |
| Cotton Garments Incl. Accessories | 9,620 | 8,422 | -12.5 | 33.9 |
| Manmade Fibre Garments | 2,204, | 2,507 | 13.7 | 10.1 |
| Wool Garments | 345 | 297 | -13.9 | 1.2 |
| Garments of Other Textile Material | 1,258 | 1,461 | 16.2 | 5.9 |
| **Total Textile Exports** | **25,453** | **24,860** | **-2.3** | **100** |

*Fiscal Year 2012 (FY 12) means period between 1st April 2011 to 31st March 2012.*

## Textile Imports

India's imports or textiles products were worth US $ 3,972 million (RS. 21,610 crore) during fiscal year 2012-13. The imports registered 2.8 per cent of incerment over US 3,864 million of textile imports of fiscal year 2011-12. But in India rules term, the textile imports have grown by 16.7 per cent during FY 13, thanks to 14.5 per cent of depreciatin in India currency vis-a-vis USD during the period. Major increments were found in woolen textiles products and for fabrics.

The highest share in import continued to be that of Other textiles. The segment has occupied a share of 46.6 per cent in total imports during FY 13. Imports in the segment were worth US $ 1,853 million with no any increments during FY 13, that is, same as of previous fiscal year. However, in India rupees terms, the realization was with higher value with growth of 13.5 per cent, because of depreciation of our currency.

Next of Other Textiles was MMF Yarn in terms of the share that it has occupied in total imports. The segments's share in total imports was 26.5 per cent during FY 13. Imports in the segment were worth US$ 1,052 million during the period. MMF Yarn had seen an increment of 4.2 per cent in imports during the period of FY 13 as compared to the same period of FY12. There are increasing monthly trends for imports of woolen yarn and fabrics.

China continued to maintain a very high share in its supply of textile products to India. China's exports were worth US $1,965 million, that is, share of around 49 per cent in total T&C imports of India. China's major supplies were that of other textiles. High quality fabrics or fabrics use in apparel for exports dominate into imports from Chines textiles baskets. China was also the top supplier in almost all T&C products. The only segments where China was not the top supplier was Woolen and Cotton Rags were Bangladesh in number one.

Shree Maloo Textiles

203/1, MAHATMA GANDHI ROAD,
PARAKH KOTHI, 3rd FLOOR, KOLKATA - 700 007
Phone : 033-2268 8485
098311 61716 (RK), 098310 97977 (LK)
E-mail : ramjimaloo@gmail.com

॥ श्री ॥
Radhika
SAREES

Manufacturer of :
Cotton Printed Sarees

## Summary Table - Imports

**India's Imports of Textile Products** (US$ Million)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| China | 1,852 | 1,965 | 6.1 | 49 |
| Bangladesh | 183 | 212 | 15.8 | 5 |
| Taiwan | 185 | 188 | 1.3 | 5 |
| USA | 173 | 173 | -0.1 | 4 |
| Korea RP | 153 | 157 | 2.3 | 4 |
| Japan | 94 | 106 | 13.6 | 3 |
| Germany | 106 | 100 | -5.5 | 3 |
| Thailand | 119 | 98 | -18.1 | 2 |
| Nepal | 139 | 95 | -31.9 | 2 |
| Hong Kong | 86 | 84 | -2.0 | 2 |
| Others | 774 | 795 | 2.8 | 20 |
| **Total** | **3,864** | **3,972** | **2.8** | **100** |

Source : DGCI&S, Kolkta

**India's Import of Textile Products** (Rupees, Crores)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| Woolen Yarn and Fabrics | 185 | 237 | 28.2 | 1.1 |
| Cotton Yarn Fabrics | 1,217 | 1,559 | 28.1 | 7.2 |
| Man-made Filaments /Spun Yarn (Inc. Waste) | 4,840 | 5,725 | 18.3 | 26.5 |
| Madeups Textile Articles | 1,639 | 1,895 | 15.6 | 8.8 |
| Other Textile yarns, fabrics madeups articles | 8,881 | 10,080 | 13.5 | 46.6 |
| Readymade Garment (Woven & Knit) | 1,518 | 1,773 | 16.8 | 8.2 |
| Woolen and Cotton Rags, etc. | 235 | 341 | 45.0 | 1.6 |
| **Total Textile Imports** | **18,514** | **21,610** | **16.7** | **100** |

**India's Import of Textile Products** (US $ Million)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| Woolen Yarn and Fabrics | 39 | 44 | 12.9 | 1.1 |
| Cotton Yarn & Fabrics | 254 | 287 | 12.8 | 7.2 |
| Man-made filaments/Spun Yarn (Incl. Waste) | 1,010 | 1,052 | 4.2 | 26.5 |
| madeups Textile articles | 342 | 348 | 1.8 | 8.8 |
| Other Textile yarn, fabraics, madeups articles | 1,853 | 1,853 | -0.0 | 46.6 |
| Readymade Garments (Woven & Knitt) | 317 | 326 | 2.9 | 8.2 |
| Woolen and Cotton Rags, etc. | 49 | 63 | 27.7 | 1.6 |
| **Total Textile Imports** | **3,864** | **3,972** | **2.8** | **100** |

*Fiscal Year 2012 (FY12) means period between 1st April 2011 to 31st March 2012.*

Skiper® | ARVIND ENRICHING LIFESTYLES | S.Kumars® | Mafatlal®
Ph. : (BSNL) 2210 9190
(RIL.) 3293 2154
SKIPPER SYNTHETICS PVT. LTD.
Suitings, Shirtings, School Dress & 100% Cotton Fabrics
19, SYNAGOGUE STREET, BRABOURNE ROAD, CITY CENTRE
3RD FLOOR, SUITE NO. 309, KOLKATA - 700 001

## Summary Table - Imports

**India's Imports of Textile Products** (US$ Million)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| China | 1,852 | 1,965 | 6.1 | 49 |
| Bangladesh | 183 | 212 | 15.8 | 5 |
| Taiwan | 185 | 188 | 1.3 | 5 |
| USA | 173 | 173 | -0.1 | 4 |
| Korea RP | 153 | 157 | 2.3 | 4 |
| Japan | 94 | 106 | 13.6 | 3 |
| Germany | 106 | 100 | -5.5 | 3 |
| Thailand | 119 | 98 | -18.1 | 2 |
| Nepal | 139 | 95 | -31.9 | 2 |
| Hong Kong | 86 | 84 | -2.0 | 2 |
| Others | 774 | 795 | 2.8 | 20 |
| **Total** | **3,864** | **3,972** | **2.8** | **100** |

Source : DGCI&S, Kolkta

**India's Import of Textile Products** (Rupees, Crores)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| Woolen Yarn and Fabrics | 185 | 237 | 28.2 | 1.1 |
| Cotton Yarn Fabrics | 1,217 | 1,559 | 28.1 | 7.2 |
| Man-made Filaments /Spun Yarn (Inc. Waste) | 4,840 | 5,725 | 18.3 | 26.5 |
| Madeups Textile Articles | 1,639 | 1,895 | 15.6 | 8.8 |
| Other Textile yarns, fabrics madeups articles | 8,881 | 10,080 | 13.5 | 46.6 |
| Readymade Garment (Woven & Knit) | 1,518 | 1,773 | 16.8 | 8.2 |
| Woolen and Cotton Rags, etc. | 235 | 341 | 45.0 | 1.6 |
| **Total Textile Imports** | **18,514** | **21,610** | **16.7** | **100** |

**India's Import of Textile Products** (US $ Million)

| | FY 12 | FY 13 | % change | % share |
|---|---|---|---|---|
| Woolen Yarn and Fabrics | 39 | 44 | 12.9 | 1.1 |
| Cotton Yarn & Fabrics | 254 | 287 | 12.8 | 7.2 |
| Man-made filaments/Spun Yarn (Incl. Waste) | 1,010 | 1,052 | 4.2 | 26.5 |
| madeups Textile articles | 342 | 348 | 1.8 | 8.8 |
| Other Textile yarn, fabraics, madeups articles | 1,853 | 1,853 | -0.0 | 46.6 |
| Readymade Garments (Woven & Knitt) | 317 | 326 | 2.9 | 8.2 |
| Woolen and Cotton Rags, etc. | 49 | 63 | 27.7 | 1.6 |
| **Total Textile Imports** | **3,864** | **3,972** | **2.8** | **100** |

*Fiscal Year 2012 (FY12) means period between 1st April 2011 to 31st March 2012.*

Skiper® ARVIND ENRICHING LIFESTYLES S.Kumars® Mafatlal®
Ph. : (BSNL) 2210 9190
(RIL.) 3293 2154
SKIPPER SYNTHETICS PVT. LTD.
Suitings, Shirtings, School Dress & 100% Cotton Fabrics
19, SYNAGOGUE STREET, BRABOURNE ROAD, CITY CENTRE
3RD FLOOR, SUITE NO. 309, KOLKATA - 700 001